संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 134 मंगलवार 18 मार्च 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

एआईसीसी की कांग्रेस कार्य समिति बैठक आज

नई दिल्ली,17 मार्च 2025(ए)। कांग्रेस पार्टी ने अपने सभी महासचिवों और राज्य प्रभारियों की एक बैठक दिल्ली में बुलाई है। यह बैठक ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय इंदिरा भवन में 18 मार्च 2025, मंगलवार को शाम 5 बजे होगी। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

एसएफआईओ मामले में गौतम और राजेश अडानी को बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी राहत

सेशंस कोर्ट के फैसले को पलटा

मुंबई,17 मार्च 2025(ए)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के चेयरमैन गौतम अडानी और

प्रबंध निदेशक राजेश अडानी को गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय के एक पुराने मामले से राहत दी है।

नहीं रहे केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिता देबेंद्र प्रधान

नई दिल्ली/भुवनेश्वर,17 मार्च 2025(ए)। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिता देबेंद्र प्रधान का सोमवार को निधन हो गया। बीजेपी के वरिष्ठ नेता देबेंद्र प्रधान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे थे। वह 84 वर्ष के थे। ओडिशा बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष प्रधान ने नई दिल्ली में अंतिम सांस ली।

मुश्किलों में घिरे बॉलीबुड सेलिब्रिटी ओरी

वैष्णो देवी के पास दोस्तों संग पी शराब,8 लोगों पर एफआईआर दर्ज

कटरा,17 मार्च 2025(ए)। बॉलीवुड सेलिब्रिटी ओरी के खिलाफ कटरा पुलिस ने केस दर्ज किया है। उसके साथ 8 और लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। होटल कटरा मैरियट रिजॉर्ट एंड स्पा में ठहरे इन सभी लोगों के खिलाफ होटल प्रशासन ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले का संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज की है। 15 मार्च को एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें एक निजी होटल में ओरी आपने कुछ दोस्तों के साथ पार्टी करता नजर आया था। इस कमरे की तस्वीर में शराब की बोतल टेबल रखी नजर आई थी। होटल में ठहरे ओरी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

भारत बना रही है सबसे लंबी हाइपरलूप ट्यूब

भारत की इस उपलब्धि पर आंखें फाड़े देखती रह जाएगी दुनिया...

नई दिल्ली,17 मार्च 2025(ए)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आईआईटी मद्रास के हाइपरलूप टेस्टिंग फैकल्टी केंद्र का दौरा किया और कहा कि 410 मीटर लंबी हाइपरलूप ट्यूब जल्द ही दुनिया की सबसे लंबी हाई-स्पीड ट्यूब बन जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी शेयर करते हुए कहा कि यह एशिया की सबसे लंबी हाइपरलूप ट्यूब है और जल्द ही यह विश्व रिकॉर्ड बनाएगी।

स्वदेशी तकनीक से हो रही तैयार हाइपरलूब

मंत्री ने आईआईटी मद्रास के डिस्कवरी कैंपस में बने हाइपरलूप परीक्षण केंद्र में इस अत्याधुनिक परिवहन तकनीक का सीधा प्रदर्शन देख उन्होंने बताया कि यह हाई-स्पीड ट्रेन वैक्यूम में चलती है और इसे पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया है। इस दौरान उन्होंने युवाओं के नए विचार और अविष्कार संगठन की तारीफ भी की, जो इस सिस्टम पर काम कर रहे हैं और अच्छे परिणाम दे चुके हैं।

रेलवे ने दी आर्थिक मदद

रेल मंत्रालय ने इस परियोजना को आर्थिक मदद और तकनीकी सहयोग प्रदान किया है। साथ ही हाइपरलूप के लिए आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक तकनीक चेन्नई में मौजूद इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में तैयार की जाएगी। यह वही संस्थान है, जिसने वंदे भारत हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए भी इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम तैयार किए हैं।

आईआईटी चेन्नई का भी किया दौरा

इसकेअलावा केंद्रीय मंत्री ने आईआईटी चेन्नई के गिंडी परिसर में होने वाले ओपन हाउस 2025 प्रदर्शनी का भी दौरा किया। यह प्रदर्शनी आईआईटी के इनोवेशन सेंटर के ज़रिए आयोजित की गई थी, जिसमें आईआईटी चेन्नई के डायरेक्टर डॉ. कमकोटी भी मौजूद थे। मंत्री ने छात्रों से बातचीत की और उन्हें प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जल्द ही सभी क्षेत्रों में अग्रणी राष्ट्र बनेगा।

देश का पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर

इस दौरान उन्होंने इनोवेशन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए और छात्रों को इसी तरह रचनात्मक कार्यों में लगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत में पांच सेमीकंडक्टर सुविधाएं कार्यरत हैं और इस साल के आखिर तक देश का पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से कहा कि डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर के इलाके में उनकी बेहतरीन प्रतिभा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने में मदद करेगी।

क्या होती है हाइपरलूब ट्यूब ?

हाइपरलूप ट्यूब एक नई परिवहन प्रणाली है जिसमें कम दबाव वाली ट्यूब के अंदर पॉड्स (कैप्सूल जैसे वाहन) को बहुत तेज रफ्तार से चलाया जाता है। यह तकनीक पारंपरिक रेल और हवाई यात्रा से भी ज्यादा रफ्तार देने में सक्षम हो सकती है। एक जानकारी के मुताबिक इसकी रफ्तार 1000 से 1200 किमी घंटे की रफ्तार संभव हो सकती है। हाइपरलूप पारंपरिक ईंधन पर निर्भर नहीं होता,जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल है।

चांद पर फिर परचम लहराएगा भारत

- मिशन चंद्रयान-5 को ग्रीन सिग्नल...
- क्या है इसरो का फ्यूचर प्लान?

नई दिल्ली,17 मार्च 2025(ए)। केंद्र सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन को चंद्रमा पर स्टडी करने के लिए भारत के महत्वाकांक्षी मिशन चंद्रयान-5 को मंजूरी दे दी है। इसको लेकर इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने जानकारी शेयर की है। नारायणन ने कहा कि चंद्रयान-5 मिशन चांद की सतह का रिसर्च करने के लिए 250 किलोग्राम का रोवर लेकर जाएगा,जबकि चंद्रयान 3 में 25 किलोग्राम का रोवर ले जाया गया था।

भारत का मून मिशन

बता दें कि चंद्रयान मिशन का मुख्य मकसद चांद की सतह का स्टडी करना है। चंद्रयान-1 साल 2008 में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था, जिसने चंद्रमा के केमिकल, खनिज और फोटो-जियोलोजिक मौपिंग की। वहीं साल 2018 का चंद्रयान-2 98 प्रतिशत तक सफल रहा था, लेकिन आखिरी चरण में मिशन का सिर्फ 2 प्रतिशत ही हासिल नहीं किया जा सका,हालांकि इसके बावजूद चंद्रयान-2 पर लगा हाई रिजॉल्यूशन कैमरा भी भी सैंकड़ों तस्वीरें भेज रहा है।

चंद्रयान-2 98 प्रतिशत तक सफल रहा था, लेकिन आखिरी चरण में मिशन का सिर्फ 2 प्रतिशत ही हासिल नहीं किया जा सका, हालांकि इसके बावजूद चंद्रयान-2 पर लगा हाई रिजॉल्यूशन कैमरा भी भी सैंकड़ों तस्वीरें भेज रहा है। वी नारायणन ने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन चंद्रयान-2 का फॉलो-ऑन मिशन है। इसका मकसद सेफ लैंडिंग और चांद की सतह पर घूमने की पूरी क्षमता का प्रदर्शन करना है। इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इसके विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त साल 2023 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की है। वी नारायणन ने कहा, बस 3 दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। हम इसे जापान के सहयोग से करेंगे।

चंद्रयान-5 के लिए मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को आतंकवाद पर घेरा

नई दिल्ली,17 मार्च 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के यूट्यूब चैनल पर एक विशेष साक्षात्कार दिया। तीन घंटे से अधिक समय तक चले इस पॉडकास्ट में पीएम ने अपने जीवन, आरएसएस, हिंदू राष्ट्र, महात्मा गांधी और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों जैसे कई विषयों पर खुलकर बात की। पाकिस्तान पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, ÷दुनिया में कहीं भी आतंकवादी घटना होती है, उसके तार अंततः पाकिस्तान से जुड़ते हैं। उन्होंने 9/11 के हमले का जिक्र करते हुए कहा, अमेरिका में हुई इतनी बड़ी घटना का मुख्य आरोपी ओसामा बिन लादेन कहां मिला? पाकिस्तान में छिपा हुआ था।मोदी ने आगे कहा, पाकिस्तान आज सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए मुश्किलों का कारण बन गया है। हम बार-बार कहते हैं कि आतंकवाद का रास्ता छोड़ दें,यह किसी के हित में नहीं। स्टेट प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करना जरूरी है।

शांति के प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया, मैं खुद लाहौर गया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद मैंने शपथ ग्रहण में पाकिस्तान को विशेष रूप से आमंत्रित किया था, ताकि रिश्तों की नई शुरुआत हो सके। लेकिन हर बार सकारात्मक प्रयासों का जवाब नकारात्मक मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि पाकिस्तान को समझ आएगी और वह शांति के रास्ते पर चलेगा। मुझे लगता है कि वहां की जनता भी इस स्थिति से दुखी होगी,पीएम ने कहा। यह साक्षात्कार सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

हिमालया के एलआईव्ही.52 ट्रेडमार्क उल्लंघन पर दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई रोक

30.91 लाख का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली,17 मार्च 2025(ए)। दिल्ली हाईकोर्ट ने व्यक्तिगत देखभाल और हर्बल स्वास्थ्य कंपनी हिमालया ग्लोबल होल्डिंग्स लिमिटेड के पक्ष में एक स्थायी निषेधाज्ञा जारी की है, जिससे उसके 'एलआईव्ही.1.52' उत्पादों के ट्रेडमार्क उल्लंघन के खिलाफ फैसला सुनाया। ये उत्पाद लिवर देखभाल के लिए उपयोग किए जाते हैं, और 'एलआईव्ही-333' नाम से मिलते-जुलते उत्पाद बनाने और बेचने वाले निर्माताओं पर यह प्रतिबंध लगाया गया है।

खालिस्तानियों पर नकेल कसे अमेरिका

नई दिल्ली,17 मार्च 2025(ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें विशेष रूप से रक्षा और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में भारत एवं अमेरिका के बीच सामरिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अमेरिका में खालिस्तानी संगठन एसएफजे (सिख फॉर जस्टिस) की तरफ से की जा रही भारत विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया। भारत ने अपनी चिंता व्यक्त की और अमेरिकी प्रशासन से इस गैरकानूनी संगठन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

कर्नल और उनके बेटे को बेसबैट से मारने पर पंजाब पुलिस पर बड़ा एक्शन

12 पुलिसकर्मी सस्पेंड

पटियाला ,17 मार्च 2025 (ए)। पंजाब के पटियाला में सेना के कर्नल और उनके बेटे से मारपीट के मामले में पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में 12 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। मारपीट का पूरा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया था। परिजनों ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई।

दिग्गज अभिनेत्री का 76 वर्ष की आयु में निधन

मुंबई,17 मार्च 2025(ए)। तमिल सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री और कोरियोग्राफर बिंदु घोष का रविवार, 16 मार्च को चेन्नई के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। बिंदु घोष ने अपने करियर में कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया और अपनी कॉमेडी के लिए खास पहचान बनाई। हालांकि, अपने अंतिम दिनों में वह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और आर्थिक तंगी से जूझ रही थीं।

झारखंड के गिरिडीह में शख्स ने तीन बच्चों की हत्या के बाद खुदकुशी की

गिरिडीह,17 मार्च 2025(ए)। झारखंड के गिरिडीह जिला अंतर्गत पीरटांड़ थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी दो नाबालिग बेटियों और एक बेटे की हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। रविवार सुबह इस हृदय विदारक घटना की खबर इलाके में फैली तो लोग सन्न रह गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर हॉस्पिटल ले जाया गया है। यह घटना महेशलिट्टी गांव की है. मृतकों में 36 वर्षीय सनाउल अंसारी, सनाउल की दो बेटियां आफरीन परवीन (12 वर्ष) और जैबा नाज (8 वर्ष) एवं बेटा सफाउल अंसारी (6 वर्ष) शामिल हैं।

मंदिर पर ग्रेनेड अटैक

अमृतसर,17 मार्च 2025 (ए)। पंजाब के अमृतसर के खंडवाला में मंदिर के बाहर ग्रेनेड हमला करने वाले आरोपियों की पुलिस के साथ मुठभेड़ गई। जिसमें मुख्य आरोपी गुरदीक सिंह को गोली लग गई। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां गुरदीक की मौत हो गई। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर ने बताया कि सोमवार सुबह-सुबह आरोपियों के बारे में विशेष जानकारी मिली कि आरोपी राजासांसी के इलाके में घूम रहे हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए सीआईए और एसएचओ छेहरटा की पुलिस पार्टियां गठित की गई।

युवक ने इंस्टाग्राम लाइव पर आकर उठाया खौफनाक कदम

सुसाइड से पहले पत्नी और सास पर लगाया ये आरोप...

रीवा,17 मार्च 2025 (ए)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सिरमौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत डोल महरी गांव में एक युवक ने आत्महत्या करने से पहले इंस्टाग्राम पर लाइव आकर अपनी पत्नी और सास पर मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए। युवक ने लाइव वीडियो में कहा, मेरे आत्महत्या करने की वजह मेरी पत्नी और मेरी सास हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

संपादकीय

बदलती हवा के साथ परिस्थितियां

अभी जबकि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है।अभी पांच महीने नहीं हुए हैं, जब भारती एयरटेल कंपनी ने रिलायंस जियो के साथ साझा रुख लेते हुए भारत सरकार से कहा था कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिए हो। यह मांग इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के विपरीत थी, जो यह सरकारी फैसले से आवंटन चाहती है। इस बीच अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने और उसमें मस्क को प्रमुख भूमिका मिलने से हवा का रुख बदल गया है। तो एयरटेल भारती को संभवतः महसूस हुआ कि स्पेसएक्स के भारत में प्रवेश को रोकना अब मुमकिन नहीं रहा। ऐसे में रुख बदल लेना उसने फायदेमंद समझा।और अब वह खुद भारत में स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा प्रदान करेगी। अभी जबकि स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है। वैसे संभव है कि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा देने का लाइसेंस एक से ज्यादा कंपनियों को मिले। फिर भी 60 से ज्यादा देशों में यह सेवा दे रही स्पेसएक्स के साथ बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा। इस रूप में रिलायंस ग्रुप के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। वैसे ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं पर ध्यान दें, रिलायंस के लिए चुनौती सिर्फ यही नहीं है।ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका से पेट्रोलियम की अधिक खरीदारी और अमेरिकी कंपनियों को भारत में समान धरातल' दिलवाने के लिए भी भारत पर दबाव बना रखा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के विभिन्न कारोबार में अमेजन एवं वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से सीधी होड़ है। अब तक सरकारी नीतियों का संरक्षण उसे मिला हुआ है। लेकिन सूरत बदली, तो उससे भी उसके सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। भारती एयरटेल के रुख से साफ है कि भारत के बहुत-से कारोबारी मुकाबला नहीं कर सकते, तो पीछे लग चलो' की नीति पर चल रहे हैं। मगर उन कंपनियों के लिए ऐसा करना कठिन है, जिनकी भारतीय अर्थ-जगत के विभिन्न क्षेत्रों पर एकाधिकार जैसी हैसियत है और अब उन्हीं क्षेत्रों में अमेरिकी कंपनी भी प्रवेश करना चाहती है।

दुर्लभ बीमारियों के बोझ तले कराहते मरीज

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

दुर्लभ बीमारी एक स्वास्थ्य समस्या है जो कभी-कभार होती है और सीमित संख्या में व्यक्तियों को प्रभावित करती है। इस श्रेणी में आनुवंशिक विकार, असामान्य कैंसर, संक्रामक रोग और अपक्षयी स्थितियाँ शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर 7, 000 से अधिक मान्यता प्राप्त बीमारियों में से केवल 5 प्रतिशत के लिए ही प्रभावी उपचार उपलब्ध हैं। भारत में, लगभग 450 पहचानी गई दुर्लभ बीमारियों में से आधे से भी कम का इलाज़ किया जा सकता है। अधिकांश रोगियों को अक्सर केवल बुनियादी देखभाल ही मिलती है जो लक्षणों को प्रबंधित करने में मदद करती है। दुर्लभ बीमारियों के कुछ उपचारों में अत्यधिक महंगी दवाइयाँ और सहायक उपचार शामिल होते हैं, जिससे वहनीयता एक महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय बन जाती है। प्रत्येक स्थिति से प्रभावित रोगियों की कम संख्या के कारण दवा कंपनियाँ अक्सर दुर्लभ बीमारियों को एक व्यवहार्य बाार के रूप में अनदेखा कर देती हैं। परिणामस्वरूप, इन बीमारियों को अनाथ रोग के रूप में लेबल किया जाता है और सम्बंधित दवाओं को अनाथ दवाएँ कहा जाता है। भारत में, दुर्लभ बीमारी का निदान करने में आम तौर पर औसतन सात साल लगते हैं। देरी या ग़लत निदान रोगियों की पीड़ा को बहुत बढ़ा सकता है। दुर्लभ बीमारियों के शुरुआती लक्षणों को पहचानने वाले प्रशिक्षित स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी भारत में स्थिति को और जटिल बनाती है।

दुर्लभ बीमारियाँ ऐसी स्थितियाँ हैं जो आबादी के एक छोटे से हिस्से को प्रभावित करती हैं, फिर भी वे सामूहिक रूप से भारत में 70 मिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित कर रही हैं। दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय नीति 2021 उनके उपचार से जुड़ी चुनौतियों से निपटने का प्रयास करती है, लेकिन वित्तीय सीमाएँ एक महत्त्वपूर्ण बाधा बनी हुई हैं। हर साल प्रति मरीज़ ₹10 लाख से ₹16 करोड़ तक के उपचार खर्च के साथ, अपर्याप्त फंडिंग तंत्र रोगियों के लिए आवश्यक देखभाल तक पहुँचना मुश्किल बनाते हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। अधिकांश दुर्लभ बीमारियों का एक आनुवंशिक आधार होता है और अक्सर गंभीर, पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनते हैं। कई में उचित निदान विधियों या उपचार प्रोटोकॉल का अभाव होता है और मौजूदा उपचार आमतौर पर इलाज़ प्रदान करने के बजाय केवल लक्षणों का प्रबंधन करते हैं। भारत में, कई विकासशील देशों की तरह, दुर्लभ बीमारियों की कोई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं है। भारत में दुर्लभ बीमारियों का बोझ काफ़ी अधिक है, जो वैश्विक मरीजों का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। दुर्लभ रोगों के लिए राष्ट्रीय नीति से पता

चलता है कि भारत में लगभग 50-100 मिलियन व्यक्ति इन स्थितियों से प्रभावित हैं। देश में 450 से अधिक मान्यता प्राप्त दुर्लभ बीमारियाँ हैं, जिनमें स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी और गौचर रोग जैसी प्रसिद्ध स्थितियाँ शामिल हैं। लगभग 8 से 10 करोड़ भारतीय दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित हैं, जिनमें से 75 प्रतिशत से अधिक बच्चे हैं। इन गंभीर स्थितियों से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर की उच्च दर एक प्रमुख कारण है कि इनमें से कई बच्चे वयस्कता तक जीवित नहीं रह पाते हैं।

प्रति मरीज़ ₹50 लाख की एकमुश्त फंडिंग, पुरानी दुर्लभ बीमारियों के आजीवन प्रबंधन के लिए अपर्याप्त है, जिसके परिणामस्वरूप उपचार बंद हो जाता है। हालाँकि 12 उत्कृष्टता केंद्रों को ₹143.19 करोड़ आवंटित किए गए हैं, लेकिन फंड वितरण में देरी से आवश्यक उपचारों तक पहुँच में बाधा आती है। कुछ उत्कृष्टता केंद्रों ने फंड का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में देरी की है, जिससे गौचर रोग के रोगियों के लिए एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी में देरी हो रही है, इसके स्थापित लाभों के बावजूद 2021 में एसिड स्फिंगोमाइलेनेज डेफिसिएंसी जैसी अति-दुर्लभ स्थितियाँ शामिल नहीं हैं, जिससे पात्र रोगी वित्तीय सहायता के बिना रह जाते हैं। भारत में, एसिड स्फिंगोमाइलिनेज की कमी के रोगी सरकारी सहायता के बिना हैं, भले ही चिकित्सकीय रूप से स्वीकृत उपचार उपलब्ध हों। फंड के उपयोग की निगरानी करने और समय पर उपचार प्रदान करने के लिए कोई निरीक्षण नहीं है। संसद द्वारा समर्थित पहलों के क्रियान्वयन में देरी हो रही है, जिससे लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर वाले रोगी आवश्यक सहायता के बिना पीड़ा झेल रहें हैं। लंबी स्वीकृति प्रक्रिया और खराब अंतर-एजेंसी समन्वय के कारण उपचार में रुकावट आती है। क्राउडफंडिंग पोर्टल से फंड का इंतज़ार कर रहे मरीजों को अक्सर अस्पष्ट पात्रता मानदंड और प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण देरी का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 एक स्थायी फंडिंग मॉडल के बजाय एकमुश्त अनुदान पर निर्भर करता है, जिससे चल रहे उपचार अव्यवहारिक हो जाते हैं। लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के रोगियों को आजीवन एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी की आवश्यकता होती है, लेकिन नीतिगत प्रावधान ₹50 लाख के बाद फंडिंग को समाप्त कर देते हैं।

राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 में 450 से अधिक दुर्लभ बीमारियों में से आधे से भी कम को कवर किया गया है, जिससे कई मरीज बिना किसी सहायता के रह जाते हैं। पॉम्पे और फैब्री रोग जैसी स्थितियाँ, जिनके प्रभावी उपचार उपलब्ध हैं, नीति द्वारा पूरी तरह से कवर नहीं की गई हैं। प्रदर्शन ऑडिट की अनुपस्थिति अप्रभावी कार्यान्वयन और उत्कृष्टता केंद्रों में धन के कम उपयोग की ओर ले जाती है। इन केंद्रों ने पारदर्शी निधि वितरण प्रदान करने में देरी की है, जिसके परिणामस्वरूप लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के रोगियों के लिए गंभीर देरी हुई है। डॉक्टरों और रोगियों दोनों को अक्सर उपलब्ध उपचारों और वित्तपोषण विकल्पों के बारे में जानकारी का अभाव होता है, जो आउटरीच प्रयासों में बाधा डालता है। राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 लाभों के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले कई परिवार इनके बारे में नहीं जानते हैं, जिसके परिणामस्वरूप केंद्रों में नामांकन दर कम है। केंद्रीकृत डेटाबेस की कमी से रोगी के ग़लत अनुमान और धीमी नीति प्रतिक्रियाएँ होती हैं। एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री वास्तविक समय की उपचार आवश्यकताओं की प्रभावी रूप से निगरानी कर सकती है, जिससे बेहतर निधि वितरण और समय पर नीति समायोजन की सुविधा मिलती है। आजीवन उपचार खर्चों को कवर करने के लिए प्रति रोगी ₹50 लाख से अधिक का एक स्थायी सरकारी कोष बनाना आवश्यक है। जर्मनी और यूके जैसे देशों ने दुर्लभ बीमारियों के लिए विशेष कोष स्थापित किए हैं, जिससे निरंतर रोगी देखभाल सुनिश्चित होती है। हमें सरकारी संसाधनों को बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी फंडिंग, दवा कंपनियों के साथ साझेदारी और क्राउडफंडिंग प्रयासों का उपयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए, भारत में नोवार्टिस की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के रोगियों को महंगी जीन थेरेपी की आवश्यकता के लिए सहायता प्रदान की है। दुर्लभ बीमारियों के लिए आजीवन उपचार को शामिल करने के लिए आयुष्मान भारत और राज्य बीमा कार्यक्रमों का विस्तार करना महत्त्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त,फंड के उपयोग की निगरानी, रोगी के उपचार की प्रगति को ट्रैक करने और सीओई की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया जाना चाहिए। ब्लॉकचेन-आधारित ट्रैकिंग सिस्टम को लागू करने से नौकरशाही बाधाओं के बिना पारदर्शी फंड वितरण की गारंटी मिल सकती है।

त्वरित निदान, किफ़ायती उपचार और बेहतर बुनियादी ढाँचा सुनिश्चित करने के लिए ₹974 करोड़ की पहल में तेज़ी लाएँ। इस कार्यक्रम को तेज़ी से आगे बढ़ाने से हज़ारों अनुपचारित रोगियों को बहुत लाभ हो सकता है और बाल मृत्यु दर को कम करने में मदद मिल सकती है। एक संपूर्ण दुर्लभ रोग नीति को केवल इरादों से आगे बढ़कर प्रभावी निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सरकारी सहायता, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रयासों और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को मिलाकर स्थायी वित्तपोषण आवश्यक है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना, प्रारंभिक निदान को बढ़ाना और बीमा कवरेज को व्यापक बनाना उपचार को और अधिक सुलभ बना देगा। भारत में दुर्लभ रोग रोगियों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मज़बूत संस्थागत ढाँचों द्वारा समर्थित रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को अपनी निदान सटीकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है। दुर्लभ रोगों के पारिवारिक इतिहास वाली गर्भवती माताओं को अनिवार्य प्रसव पूर्व जाँच और प्रसवोत्तर देखभाल से गुजरना चाहिए। सरकार को दुर्लभ रोगों की स्पष्ट परिभाषा स्थापित करनी चाहिए, बजट आवंटन बढ़ाना चाहिए, दवा विकास और उपचारों के लिए धन आवंटित करना चाहिए और उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या का विस्तार करना चाहिए। ये क़दम दुर्लभ बीमारियों की राष्ट्रीय नीति 2021 को मज़बूत करेंगे। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को सीएसआर पहलों और वित्तपोषण सहयोग के माध्यम से दुर्लभ बीमारियों के लिए सामाजिक सहायता कार्यक्रमों के वित्तपोषण में शामिल होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, दुर्लभ बीमारियों के लिए सभी जीवन रक्षक दवाओं से जीएसटी हटाने से इन दवाओं को और अधिक किफायती बनाने में मदद मिलेगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

घुमन्तु गीत सीरीज

पुनर्जन्म

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
काशी,उत्तर प्रदेश

हेलो गीत! क्या? क्या कह रही हो? नहीं यार, ऐसा कैसे हो सकता है? परसों ही तो उससे बात हुई थी मेरी, आज ऐसा कैसे..?

आशिमा एकदम हैरान थी, होना स्वाभाविक था, परसों तक हंसती बोलती ईशा आज हमारे बीच नहीं रही, यह अविश्वसनीय था। हम तीनों पक्की सहेलियां थीं, रोज़ का मिलना जुलना, साथ घूमना फिरना, सालों से। इन दिनों लॉकडाउन लगा हुआ था तो वह अपने घर बंगलोर चली गयी थी, आशिमा भी अपने घर गयी हुई थी, और मैं अभी भी यहीं हॉस्टल में रह रही थी।

तुम्हें यह किसने बताया गीत? उसकी पड़ोसन मोना का मैसेज आया था।

कब?अभी कोई 5 मिनट पहले। मैं तो ईशा के जवाब के इंतज़ार में थी, कल से नदारद थी, फ़ोन स्विच ऑफ, और आज अचानक मोना ने यह सब लिखा।

क्या लिखा?

यही, कि ईशा अब हमारे बीच नहीं रही, और इस बारे में उसके परिवार को बिलकुल परेशान ना किया जाए, यही उसकी अंतिम इच्छा है!

पर उसको हुआ क्या था?

मैं यह पूछती तब तक वह मुझे ब्लॉक कर चुकी थी।

उस समय रात के करीब 9 बजे थे, मैंने माँ को भी कांफ्रेंस में लिया, उन्हें सारी बात बतायी, और हम दोनों लगातार रोते रहे, माँ हमें समझाती रहीं, ज़रूर किसी ने मज़ाक किया होगा!

नहीं माँ, वो मोना का ही नंबर है!

तो उसने तुम्हें ब्लॉक क्यों किया?

पता नहीं माँ, मेरा तो दिमाग ही काम नहीं कर रहा।

गीत, सुनो, बंगलोर में मेरा एक पुराना दोस्त रहता है, उसे ईशा के घर भेजूं क्या पता करने के लिए? आखिर हमें यह जानने का अधिकार तो है कि उसको हुआ क्या था? पर उसकी अंतिम इच्छा का क्या?

फिर हम दोनों सहेलियां रोने लगीं, तीन दिनों तक यह सिलसिला बिना रुके ऐसे ही चलता रहा, माँ की समझाइश, हमारे आंसू, और फिर माँ की समझाइश! इस पूरे दौरान, हम दोनों हज़ारों बार ईशा का फ़ोन लगाने का प्रयास करते रहे।

तीन दिनों बाद बुद्ध पूर्णिमा थी, उस रात मैं मूर्त सी बेजान अपने कमरे में बैठी थी, बाहर गलियारे में किसी ने ज़ोर ज़ोर से यूट्यूब वीडियो चला रखे थे, यह शोर मुझे बिलकुल अच्छा नहीं लग रहा था, तभी एक जानी पहचानी सी आवाज़ मेरे कानों में पड़ी, अरे यह तो ईशा की आवाज़ थी, मैंने दौड़ कर बाहर जाकर देखा, यह केवल आवाज़ थी, यूट्यूब के एक वीडियो की!

क्या यह ईशा थी नीता?

मुझे नहीं पता, मैंने तो अभी ऐसे ही यह ऑडियो सुना!

मैंने फ़ौरन आशिमा को फ़ोन लगाया...

क्या हुआ गीत, तुम ठीक हो?

आशिमा, मैंने एक लिंक भेजा है, ज़रा देखो तो!

अरे! यह कौन है? हूबहू उसी की आवाज़!!

वही तो! मैंने सोच लिया है, मैं अब उसकी बहन से पूछूँगी! कम से कम पता तो चले यार!

ठीक है, जैसा तुम ठीक समझो, मुझे भी बताना प्लीज!

ऑफ़ कोर्स आशिमा, क्या मैं नहीं समझती तुम्हारा क्या हाल हो रहा है!

(पांच मिनट बाद)

हेलो आशिमा?

हाँ गीत. बोलो, क्या हुआ?

यार, मैं तो पागल हो जाउंगी!

क्यों? क्या हुआ? तुम रो क्यों रही हो?

उसकी बहन ने मुझे ब्लॉक कर दिया!

क्या? पर क्यों?

पता नहीं, मैंने तो बस उससे कहा, ईशा को क्या हुआ?

और उसने ब्लॉक कर दिया?

हद है! मेरी तो कुछ समझ नहीं आ रहा!

पता नहीं!

अगले चार दिन इसी कशमकश और रोने में बीते। पांचवे दिन फिर एक यूट्यूब अपलोड, इस बार आशिमा ने वो देखा, और मुझे इत्तला किया, फिर मैंने देखा, अरे ये क्या, यह तो एक और ऑडियो है!

ऐसा कैसे हो सकता है?

उसे शायद पता चल गया था कि वो अब... इसलिए शायद पहले से रिकॉर्ड कर दिया हो!

ओह ईशा! क्या हो गया ये सब!! फिर हम दोनों आंसुओं में डूब गए।

शोक मनाते, रोते-धोते पखवाड़ा बीत चला, माँ समझाती रहीं, बच्चों खुद को सम्भालो। ऐसे तो तुम दोनों को ही कुछ हो जायेगा!!

माँ! बताओ ऐसा क्यों हो गया?

नियति का चक्र है बच्चा, ईश्वर की मर्ज़ी के आगे किसकी चली है!

ऐसी ही शोक में डूबी एक और शाम थी, देर शाम मैं और आशिमा व्हाट्सप्प पर ईशा की ही बातें कर रहे थे, तभी नोटिफिकेशन आयी, उसी चैनल से, चैनल लाइव था, हम दोनों ने आपस में तय किया बाद में बात करेंगे, पहले यह देख लें।

अब जो हमारी स्क्रीन पर था, अविश्वस्तीय, अकल्पनीय, विचित्र था।

जीती-जागती ईशा... हंसती.. बोलती.. सजी.. संवरी.. हमारी आँखों के सामने उस वीडियो में थी। हाँ, यह एक वीडियो था, क्या यह भी पहले से रिकॉर्ड...??? नहीं, पर यह तो लाइव था। इसका मतलब....???? उसे बोलते देख, हमारी धड़कनें बढ़ती जा रही थीं, आंसू धाराप्रवाह बहते जा रहे थे। मन में अनसुलझे सवाल थे, बहुत सारे सवाल....

खैर जो भी था, अब हमें कोई जवाब नहीं चाहिए थे, वह खुश थी, और यह उसके चेहरे पर साफ़ दिख रहा था, तो मैंने अपने आंसुओं को वहीं रोका, अपने मन की डोरी जो इतने वर्षों से उससे जोड़ रखी थी, उसे तोड़ दिया, और मन ही मन उससे कहा, ईशा, पुनर्जन्म की बधाई, तुम जियो, आबाद रहो, अब मेरी दुनिया में वापस न आना!!!!!

क्या महिला किसानों तक पहुँच रही है तकनीक?

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

भारत की कृषि-खाद्य प्रणालियाँ, जिनमें कृषि, पशुधन, कृषि वानिकी और मत्स्य पालन शामिल हैं, महिलाओं के भुगतान और अवैतनिक श्रम दोनों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। महिलाएँ भारतीय कृषि के लिए महत्त्वपूर्ण हैं, खाद्य उत्पादन, पशुधन प्रबंधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को समर्थन देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पूर्णकालिक ग्रामीण कार्यबल का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है और वे कृषकों का 33त्न हिस्सा हैं। उनकी भागीदारी बुवाई, निराई, कटाई, कटाई के बाद प्रसंस्करण, डेयरी फार्मिंग और पशुधन देखभाल जैसी विभिन्न गतिविधियों में फैली हुई है। उनके आवश्यक योगदान के बावजूद, भूमि स्वामित्व एक चुनौती बनी हुई है, जिसमें केवल 12-13 प्रतिशत महिला किसानों के पास भूमि का स्वामित्व है। हालाँकि, डिजिटल तकनीकों और छोटी पहलों में प्रगति कृषि में लैंगिक अंतर को कम करने में मदद कर रही है, महिलाओं को अधिक स्वतंत्र, आर्थिक रूप से स्थिर और निर्णय लेने में प्रभावशाली बनने के लिए सशक्त बना रही है। उनके प्रभाव को और बढ़ाने के लिए, डिजिटल साक्षरता को बढ़ाना, स्मार्टफोन तक पहुँच में सुधार करना और नीति समर्थन प्रदान करना महत्त्वपूर्ण होगा। डिजिटल तकनीक और छोटे-मोटे हस्तक्षेपों ने भारतीय कृषि में महिलाओं के लिए परिदृश्य को काफ़ी हद तक बदल दिया है। इन नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाज़ार तक पहुँच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान से सम्बंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लिकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूर्वानुमान, इष्टतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाज़ार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान ऐप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रूप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल माइक्रोफाइनेंस प्लेटफ़ॉर्म, जैसे कि पेटीएम और नाबार्ड के ई-शक्ति, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। ई-एनएएम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और एग्रीबाज़ार जैसे प्लेटफ़ॉर्म महिला किसानों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने की अनुमति देते हैं, जिससे बिचौलियों की ज़रूरत नहीं पड़ती।

महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियाँ अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। एआई तकनीकें मिट्टी के स्वास्थ्य, कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं। उन्नत सिंचाई प्रणाली और सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप पानी के उपयोग को कम करने और महिला किसानों के शारीरिक कार्यभार को कम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को समूह ऋण, प्रशिक्षण और कृषि संसाधनों तक पहुँच से लाभ होता है। तेलंगाना में डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी इन महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के माध्यम से बाजरा की खेती का समर्थन करती है। महिलाओं पर बोझ कम करने में मदद करने के लिए बीज बोने वाले, हाथ से चलने वाले ट्रैक्टर और सोलर ड्रायर जैसे सरल कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। सरकारी पहल मशीनीकृत उपकरणों के लिए सब्सिडी प्रदान करती है, जो महिलाओं के लिए फायदेमंद है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना जैसे एनजीओ और सरकारी कार्यक्रम आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। डिजिटल साक्षरता पहल महिला किसानों को नए तकनीकी समाधानों को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है। महिलाएँ जैविक खेती, पर्माकल्चर और जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों में तेज़ी से शामिल हो रही हैं। वर्मीकम्पोस्टिंग पिट, छत पर बगीचे और कृषि वानिकी जैसे छोटे पैमाने के हस्तक्षेप स्थायी आय में योगदान करते हैं। टाटा ट्रस्ट्स द्वारा लखपति किसान पहल ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं को कृषि प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। डिजिटल ग्रीन पहल ग्रामीण महिलाओं को बेहतर खेती के तरीकों के बारे में शिक्षित करने के लिए वीडियो का उपयोग करती है। वाग्धारा जैसे किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) महिलाओं को सामूहिक रूप से बेहतर कीमतों पर बातचीत करने में सहायता करते हैं।

आज की दुनिया में, डिजिटल तकनीक और छोटे-छोटे हस्तक्षेप कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत रूप से, महिलाओं को निराई, थ्रेसिंग और डी-हल्किंग जैसे श्रम-गहन और समय लेने वाले काम सौंपे जाते रहे हैं। हालाँकि, मशीनीकरण उनके कार्यभार को हल्का करने में मदद करता है, जिससे उन्हें अधिक मूल्यवान कृषि गतिविधियों में संलग्न होने की अनुमति मिलती है। मोबाइल ऐप, हेल्पलाइन और सलाहकार सेवाओं सहित डिजिटल उपकरण महिलाओं को अप-टू-डेट बाज़ार और मौसम की जानकारी प्रदान करते हैं, जो बेहतर फ़सल योजना और संसाधन प्रबंधन में सहायता करता है। कई महिलाओं को ऋण और वित्तीय संसाधनों तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो आधुनिक कृषि तकनीकों में निवेश करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। सौभाग्य से, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म मछली विक्रेताओं और किसानों जैसी महिलाओं को स्वतंत्र रूप से लेन-देन करने में सक्षम बनाते हैं,जिससे बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होती है। महिलाओं को कृषि मशीनरी चलाने के कौशल से लैस करके, ये छोटे-छोटे हस्तक्षेप जड़ जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हैं और महिलाओं को खेती में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी तक पहुँच महिलाओं की पारंपरिक बाधाओं को दूर करने और अपनी स्वतंत्रता का दावा करने की क्षमता को बढ़ाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएँ डिजिटल साक्षरता से जूझती हैं, जो मोबाइल एप्लिकेशन और ऑनलाइन सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। स्मार्टफ़ोन तक सीमित पहुँच और अविश्वसनीय इंटरनेट कनेक्शन से स्थिति और भी खराब हो गई है। सामाजिक मानदंड निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रतिबंधित करना जारी रखते हैं। घरेलू स्तर पर निवेश अक्सर उन तकनीकों पर केंद्रित होता है जो मुख्य रूप से पुरुषों को लाभ पहुँचाती हैं, महिलाओं की अनूठी ज़रूरतों की उपेक्षा करती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी नीतियाँ और कृषि विस्तार सेवाएँ अक्सर लिंग-विशिष्ट मुद्दों को अनदेखा करती हैं। केवल 13 प्रतिशत ग्रामीण महिलाओं के पास ज़मीन है, इसलिए ऋण और कृषि कार्यक्रमों तक उनकी पहुँच बहुत सीमित है। कृषि और मत्स्य पालन में मशीनीकरण के बढ़ने से महिलाओं की नौकरियाँ चली गई हैं, जिससे उन्हें अधिक अस्थिर और अनौपचारिक रोज़गार में जाना पड़ रहा है। मछली बाज़ारों में बड़े खरीदारों और निर्यात व्यापारियों के बढ़ते प्रभुत्व ने छोटे पैमाने की महिला विक्रेताओं को हाशिये पर धकेल दिया है, जिससे मछली की आपूर्ति और उचित मूल्य तक उनकी पहुँच सीमित हो गई है। हालाँकि मोबाइल एप्लिकेशन, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और डिजिटल भुगतान प्रणाली नए अवसर प्रदान करती हैं, फिर भी कई ग्रामीण महिलाओं को स्मार्टफ़ोन, इंटरनेट एक्सेस और डिजिटल कौशल की कमी के कारण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में सिर्फ़ 31 प्रतिशत ग्रामीण महिलाओं के पास स्मार्टफ़ोन हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आँकड़ा 51त्न है। इस अंतर को पाटने के लिए, सरकार की पहल महिला किसानों के लिए स्मार्टफ़ोन के लिए सब्सिडी दे सकती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कविता
बेसुध जवानी

घटती-घटना

चंद्रकांत खूटे
जांजगीर चांपा
छत्तीसगढ़

मनुष्यों की एक उम्र है...जवानी
जो अल्प समय के लिए आता हैं
फिर चले जाता हैं
ये समय है कदम जमाने का
नाम कमाने का
कुसुम सरिस महक बगराने का
किंतु मनुज इसे अकारथ गँवा देते हैं
नशे में धुत होकर
कोई प्रेम में बेसुध होकर
सही सदुपयोग नही कर पाता
चिंता घुटन में बेर निकालता
जबकि इस समय माता-पिता को
आशा होती है सूत कुछ करे
दीप सरिस जगमग बरे
पर वो चुन लेता है...अंधेरा को
तजकर सबेरा को ।
होकर गुमनाम आपा,श्वास खोती.विराम!

कविता
मंजिल फतह की तैयारी करलो

घटती-घटना

अशोक पटेल
तुम्मा शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

मंजिल फतह करने की करो तैयारी
लगा दो अब तो अपनी ताकत सारी
हौसलों को पर देकर उड़ान भरलो
कोशिश ये जारी रहे दम भर तुम्हारी।
वक्त नही है चिंतन का आई है बारी
सफलता कदम चूमेगी अब तुम्हारी
दृढ संकल्पित हो कर अब ठान लो
हिम्मत व हौसले,कोशिश रहे जारी।
तन और मन को डिगने न थकने दे
मन को आगे बढ़ने से न बिछड़ने दे
मंजिल को पाना और जीत जाना है
आत्मविस्वास बनायें न इसे टूटने दें।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

महापौर मंजूषा भगत ने एमआईसी में 10 लोगों को किया शामिल,विभागों को दी गई जिम्मेदारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर नगर निगम की महापौर मंजूषा भगत ने सोमवार को मेयर इन काउंसिल का गठन कर दिया है। एमआईसी में 10 पार्षदों को जगह दी गई है, मेयर इन काउंसिल का गठन छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 37 के तहत निहित प्रावधान और प्रदत शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए मेयर मंजूषा भगत ने किया है। निर्वाचित पार्षदों में से मेयर इन काउंसिल का गठन करते हुए उन्हें संबंधित विभागों का प्रभारी सदस्य नियुक्त किया है। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि सभी वर्गों को ध्यान में रखकर 10 सदस्यीय पार्षदों को मेयर इन काउंसिल में शामिल किय गया है।

दो बार पार्षद रहे मनीष ड्क्षसह को आवास, पर्यावरण एवं लोक निर्माण विभाग, जितेन्द्र सोनी उर्फ अज्जू को जल कार्य विभाग, ममता तिवारी को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, अनिता रविन्द्र गुप्त भारती को बाजार विभाग, सुशांत घोष को शिक्षा विभाग, प्रियंका गुप्ता को महिला तथा बाल कल्याण विभाग, विपिन कुमार पांडेय खाद्य तथा नागरिक आपूर्ति विभाग, रविकांत रांव को पुनर्वास तथा नियोजन विभाग, श्वेता गुप्ता को राजस्व विभाग व विशाल गोस्वामी उर्फ दूधनाथ को विधि तथा सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि एमआईसी की बैठक से पूर्व एमआईसी का गठन जरूरी था। एमआईसी टीम में सभी वर्गों को शामिल किया गया है। ताकि विभागीय कार्य में किसी तरह का कोई लापरवाही न हो। सभी पार्षद योग्य हैं। शहर के चहुमुखी विकास के लिए सभी मिलकर बेहतर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि अंबिकापुर नगर निगम को स्वच्छता में बेतर रैंकिंग मिले इसके लिए पहले दिन से ही कवायद शुरू कर दी गई है।

पुराने व नए पार्षदों भी शामिल

10 सदस्यीय एमआईसी की टीम में पुराने पार्षदों के साथ-साथ नए पार्षदों को भी शामिल किया गया है। मनीष ड्क्षसह दो बार पार्षद रह चुके हैं। अनिता रविन्द्र गुप्त भारती 2 बार, सुशांत घोष 3 बार, श्वेता गुप्ता 3 व विशाल गोस्वामी 3 बार पार्षद रह चुके हैं। इसके अलावा पहली बार चुनाव जीतकर पार्षद बने जितेन्द्र तवारी ऊर्फ अज्जू, ममता तिवारी, प्रियंका गुप्ता, विपिन पांडेय, रविकांत उरांव को भी टीम में शामिल किया गया है। वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पार्षद आलोक दुबे को महापौर ने किसी भी विभाग की जिम्मेदारी नहीं सौंपी हैं। आलोक दुबे को एमआईसी में शामिल नहीं किया गया है। जबकि इनका नाम सभापति पद की दावेदारी में भी शामिल था। इनका नाम एमआईसी में शामिल नही किए जाने जाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है।

पिकअप ने बाइक सवारों को मारी जोरदार टक्कर,बाइक सवार तीनों युवक घायल

- संवाददाता -
बलरामपुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर रामानुजगंज जवाहर नवोदय विद्यालय बलरामपुर में कक्षा दसवीं में पढ़ने वाले तीन छात्र एक बाइक में सवार होकर बलरामपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लगभग 12 बजे अज्ञात पिकअप वाहन से जोरदार टक्कर हो गई तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें तत्काल जामवंतपुर

अस्पताल ले जाया गया तीनों के पैर में काफी चोट आई है। प्राथमिक इलाज के बाद तीनों को रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशन कौशिक पिता उमेश कौशिक उम्र 16 वर्ष निवासी रामानुजगंज, आयुष गुप्ता पिता वीरेंद्र गुप्ता उम्र 16 वर्ष निवासी सनवाल व सूरज सिंह पिता जय सिंह उम्र 16 वर्ष निवासी बुद्धू टोला रामानुजगंज तीनों एक बाइक में सवार होकर आज दोपहर 12 बजे के करीब बलरामपुर की ओर जा रहे थे इसी दौरान बुलगांव पहुंते ही थे की सामने से आ रही पिकअप वाहन से भिड़ंत हो गई जिससे बाइक में सवार तीनों छात्र गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर तत्काल युवा दवा व्यवसायी एवं समाजसेवी भोला गुप्ता पहुंचे जिनके द्वारा इसकी सूचना थाने में दी गई।

सूचना पर चौकी प्रभारी राधेश्याम विश्वकर्मा के निर्देश पर पुलिस बल मोके पर पहुचा जिसके बाद तीनों को जामवंतपुर अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक इलाज कर तीनों को रेफर कर दिया गया। तीनों छात्र जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा दसवीं में पढ़ाई करते हैं।

ग्राहक सेवा केंद्र का ताला तोड़कर 35 हजार रुपये की चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम उलकिया में ग्राहक सेवा केन्द्र का ताला तोड़कर चोरों ने 35 हजार रुपये नगद पार कर दिया। चोर की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। दुकान संचालक ने मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार विवेक गुप्ता ग्राम उलकिया का रहने वाला है। वह घर में ही सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का ग्राहक सेवा केंद्र संचालित करता है। 15 मार्च की रात को दुकान बंद करके परिवार के सभी सदस्य सो गए थे। सुबह 4 बजे चाची उसे आवाज देकर उठाई, किन्तु दरवाजा बाहर से बंद था। पीछे का दरवाजा खोलने के बाद वह देखा कि उसके दुकान का दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और घर का दरवाजा भी बाहर से बंद था। जब वह अपने जीजा के साथ दुकान में घुस तो दराज में 35 हजार रुपये नहीं था। सीसीटीवी चेक करने पर अज्ञात 2 व्यक्ति दराज से पैसा निकालते नजर आए। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 331(4), 305(ए) का अपराध दर्ज कर लिया है।

पत्नी का हाथ बांधकर बसूला से हमला

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

शराब के नशे में धुत युवक ने पत्नी का दोनों हाथ रस्सी से बांधकर हत्या करने की नीयत से बसूला से पैर और सिर में प्राणघातक हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। जिसका उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार रामलाल दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम करम्हा का रहने वाला है। 13 मार्च को शाम करीब 4 बजे रामलाल शराब पीकर पत्नी पवन कुमारी के दोनों हाथ को रस्सी से बांध दिया और बसुला से उसके बाएं पैर एवं सिर में प्राणघातक वार करने लगा, जिसमें उसे गंभीर चोट आई है। परिजन ने बीच बचाव किया और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। परिजन ने मामले की रिपोर्ट दरिमा थाना में दर्ज कराई है।

कलियुग में हरिनाम संकीर्तन है मोक्ष का सरलतम मार्ग

» अंबिकापुर प्रचार केंद्र में धूमधाम से मनाया गया गौर पूर्णिमा महोत्सव

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

इस्कॉन अंबिकापुर प्रचार केंद्र में रविवार को गौर पूर्णिमा महोत्सव भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। हरिनाम संकीर्तन के प्रवर्तक भगवान चैतन्य महाप्रभु के शुभ अवतरण दिवस को मनाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। संपूर्ण वातावरण हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन से गुंजायमान हो गया, जिससे भक्तों में अपार आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

महोत्सव का शुभारंभ भक्तिमय कीर्तन से हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने नृत्य और भजन के माध्यम से अपनी भक्ति भावनाओं को अभिव्यक्त किया। इस विशेष अवसर पर 51 किलो फूलों से भव्य फूलों की होली खेली गई, जिससे पूरा परिसर रंग-बिरंगे पुष्पों की सुगंध से भर गया और भक्तगण अपार आनंद से झूम उठे। अलौकिक वातावरण में ब्रह्म संहिता का पाठ करते हुए भगवान गौर-निताई का भव्य अभिषेक फलों के रस, पंचामृत और फूलों से किया गया। हरिनाम संकीर्तन के साथ भगवान गौर निताई एवं महाप्रभु जगन्नाथ की वैदिक पंचरात्र पद्धति से आरती की गई।

युवा वर्ग में बढ़ रही अध्यात्म के प्रति रुचि

इस आयोजन की विशेषता यह रही कि इसमें बड़ी संख्या में युवा,विशेष रूप से मेडिकल और इंजीनियरिंग के छात्र, बढ़-चढ़कर शामिल हुए। उन्होंने इस्कॉन के माध्यम से भारतीय संस्कृति,सनातन परंपराओं और आध्यात्मिक जीवनशैली के प्रचार-प्रसार की सराहना की। युवाओं ने विशेष रूप से गौर पूर्णिमा महोत्सव के दौरान मिले आध्यात्मिक अनुभव को अपने जीवन में अपनाने की इच्छा व्यक्त की। महोत्सव के दौरान इस्कॉन अंबिकापुर प्रचार केंद्र के प्रभारी दयानिधि दास ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु ने जातपात की सीमाओं को तोडक़र प्रेम और भक्ति के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी और कलियुग में हरिनाम संकीर्तन को मोक्ष का सरलतम मार्ग बताया। दयानिधि प्रभु ने बताया कि इस्कॉन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस्कॉन द्वारा महाप्रभु की शिक्षाओं का प्रचार किया जा रहा है और उनकी प्रेरणा से आज विश्व के कोने-कोने में हरे कृष्ण महामंत्र गूंज रहा है।

भगवान चैतन्य महाप्रभु को भक्तों द्वारा तैयार विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों सहित विशेष 56 भोग अर्पण किए गए। भोग अर्पण के बाद सभी उपस्थित भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवेश सिंह, राजकीर्ति जायसवाल, हेमंत गोयल, शार्दुल विक्रम, स्वस्तिक श्रीवास्तव, सिद्धार्थ पाठक, श्रीमति अश्विनी देशमुख, प्रज्ञा पांडे, महिमा कुशवाहा, प्रियांशी कन्नौजिया की भूमिका प्रमुख रही।

पत्नी की हत्या करने वाला पति गिरफ्तार,न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

- संवाददाता -
बलरामपुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रनहत चौकी क्षेत्र में पत्नी की हत्या के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

जानकारी अनुसार,ग्राम सौतार (पखनापारा) निवासी प्रमीला बरगाह की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। इस मामले में मृतिका के भाई राजू बरगाह ने चौकी रनहत थाना चलगली में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने मृतिका के घर का निरीक्षण किया, जहां खून के धब्बे, टूटी चूड़ियां, बाल के गुच्छे और टूटी माला मिली।

झगड़े के बाद पति ने दीवार से टकराया सिर, फिर चाकू से किया हमला

पुलिस पूछताछ में आरोपी बिनोद बरगाह ने स्वीकार किया कि 15 मार्च 2025 को दोनों पति-पत्नी ने अलग-अलग जगह शराब पी थी। शाम को घर लौटने के बाद पत्नी प्रमीला बरगाह ने उसे काम न करने को लेकर ताना मारा,जिससे दोनों में बहस हो गई। गुस्से में आकर बिनोद ने पत्नी को जोर से थप्पड़ मारा, जिससे वह गिर गई। जब प्रमीला उठकर हमला करने लगी, तो आरोपी ने उसके बाल खींचकर दो-तीन थप्पड़ और मारे और उसका सिर दीवार से टकरा दिया,जिससे गंभीर चोट आई और उसकी चूड़ियां और माला वहीं टूट गईं।

चाकू से किया वार,फिर तड़पता छोड़कर चला गया

गुस्से में बिनोद ने सब्जी काटने के चाकू से पत्नी पर हमला किया, लेकिन प्रमीला ने सिर घुमा लिया, जिससे चाकू उसकी ठुड्डी में लग गया और गहरा घाव हो गया। खून बहता देख आरोपी वहां से चला गया और रात 9 बजे लौटा, तब तक प्रमीला दर्द से कराह रही थी। उसने पत्नी को बिस्तर पर सुला दिया, लेकिन सुबह देखा कि उसकी मौत हो चुकी है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मर्ग जांच और अपराध विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से खून से सनी मिट्टी, टूटे हुए गहने, और चाकू बरामद किया। आरोपी बिनोद बरगाह को पुलिस ने 17 मार्च को गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले की आगे जांच जारी है।

7 बदमाशों ने की मारपीट,ब्रेन में चोट आने से युवक कोमा में

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के सकालो मंडी के पास बदमाशों ने एक युवक के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। मारपीट से युवक को गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिए शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के बेटा ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले दो के खिलाफ नामजद व अन्य कुल 7 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार प्रतापपुर नाका खालपारा निवासी संतलाल सिंह 14 मार्च को अपने पैतृक ग्राम खडग़वांकला कार क्रमांक सीजी 10 एबी 8933 से गया था। गांव से वापस आते समय करीब 5.30 बजे सकालो मण्डी के पास कार पंचर हो गया था। इसके बाद वे फोन करके अपने पुत्र तुषार सिंह को लेने के लिए बुलाए था। स्कूटी लेकर जब उसका बेटा पहुंचा तो पहले से वहां 4 लोग खड़े थे और इसके पिता के साथ मारपीट कर रहे थे। इसी बीच बुलेट से गोविंद, विनोद प्रजापति व एक अन्य लोग वहां पहुंचे और ये सब भी मिलकर संतलाल सिंह के साथ मारपीट करने लगे। मारपीट किए जाने से वह मौके पर बेहोश हो गया। इसके बाद सभी वहां से फरार हो गए। तुषार ने घटना की जानकारी अपने चाचा को दी। उसके चाचा वाहन लेकर पहुंचे और संतलाल को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके ब्रेन में गंभीर चोटें आई है। जिसका चिकित्सकों द्वारा ऑपरेशन भी किया गया है। इसके बावजूद भी वह कोमा से बाहर नहीं निकला है। पिता को अस्पताल भिजवाने के बाद तुषार स्कूटी लेकर घर जा रहा था तो बुलेट सवार पुनः लौटे और उसे थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पिता के साथ हुए मारपीट की रिपोर्ट तुषार ने गांधीनगर थाना में आरोपी गोविन्द उरांव व विनोद प्रजापति सहित 5 अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कांग्रेस अनुशासनहीनता और आपसी टकराव का पर्याय बन चुकी है:भारत सिंह सिसोदिया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आगमन से ठीक पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई मारपीट से गुटबाजी और अंतर्कलह खुल कर सामने आ गया है। इस घटना पर भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेसियों में अनुशासनहीनता और अंदरूनी गुटबाजी अब खुले रूप में जनता के सामने आ चुकी है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी अब अनुशासनहीनता और आपसी टकराव का पर्याय बन चुकी है। जिस दल के कार्यकर्ता आपस में ही लडऩे और हिंसा करने पर उतारू हों,वह प्रदेश की जनता की सेवा और कल्याण का दावा कैसे कर सकता है? कांग्रेसी कार्यकर्ता और पदाधिकारी अपनी ही पार्टी को एकजुट रखने में असफल हो चुके हैं, ऐसे में वे छत्तीसगढ़ को क्या नेतृत्व देंगे?

भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि विधानसभा,लोकसभा और त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिली करारी हार के बाद इसके कार्यकर्ताओं में भारी निराशा और आक्रोश है,यह घटना कांग्रेस की विफलताओं की झलक मात्र है और आने वाले समय में कांग्रेस का यह अंतर्कलह और अधिक बढ़ेगा।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कांग्रेस पार्टी केवल दिखावटी राजनीति करती है और जब उन्हें जनता के असली मुद्दों पर जवाब देना होता है,तब वे एक-दूसरे पर ही हमला करने लगते हैं,इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का अपनी ही पार्टी पर कोई विश्वास नहीं रह गया है।

श्री सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान राज्य में भ्रष्टाचार,वादाखिलाफी और कुशासन चरम पर था, जिससे जनता अब पूरी तरह से तंग आ चुकी है, कांग्रेस सरकार ने केवल जनता को गुमराह करने का काम किया, उनके कार्यकाल में बेरोजगारी बढ़ी,किसान संकट में रहे, और प्रदेश में उद्योगों को भी नुकसान पहुंचा। जनता ने अपनी नाराजगी चुनावों में दिखा दी,लेकिन कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता अब भी वास्तविकता से आंखें मूंदे बैठे हैं और भाजपा के सुशासन को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सिसोदिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार प्रदेश को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है जहाँ भाजपा सरकार विकास,स्थिरता और सुशासन पर केंद्रित रहा है,छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है,किसानों को सहायता मिल रही है और युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को यह बर्दाश्त नहीं हो रहा,इसलिए वे अब अपनी ही पार्टी में हिंसा पर उतर आए हैं।

भारत सिंह सिसोदिया ने जनता से अपील करते हुए कहा कि वे ऐसी विफल और गुटबाजी से ग्रस्त कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह से नकारें। उन्होंने कहा,छत्तीसगढ़ को अब ऐसी पार्टी की जरूरत है जो न केवल स्थिर सरकार दे,बल्कि प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जाए। कांग्रेस ने केवल छत्तीसगढ़ को पीछे धकेलने का काम किया है,इसलिए अब समय आ गया है कि जनता उन्हें पूरी तरह से अस्वीकार करे और भाजपा को समर्थन देकर प्रदेश के सुनहरे भविष्य की ओर बढ़े।

पाकिस्तानी सेना पर फिर बीएलए का हमला:इस बार 90 सैनिकों की मौत का दावा,बलूच आर्मी का पांच दिन में दूसरा हमला

इस्लामाबाद,17 मार्च 2025। पाकिस्तानी सेना के बसों के काफिले पर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के फिदायीन हमले में फ्रंटियर कोर (एफसी) के कई जवानों की मौत हो गई और 35 से अधिक घायल हैं। पांच दिन में बीएलए के दूसरे हमले में एक बस पूरी तरह नष्ट हो गई। सैनिकों का काफिला क्वेटा से ताफ्तान जा रहा था। पाकिस्तान सरकार ने अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

बलूचिस्तान के नोशकी जिले में हुए इस हमले में मौत के आंकड़ों को लेकर सरकार और बीएलए ने अलग-अलग दावे किए हैं। नोशकी के थाना प्रभारी जफरुल्लाह सुमलानी ने कहा, एफसी के पांच जवानों की मौत हुई है। डॉन समाचार समूह ने पांच,एआरवाई ने छह और जियो न्यूज ने सात मौतों की खबर दी है। वहीं,बीएलए ने कम से कम 90 जवानों की मौत का दावा किया है।

बीएलए प्रवक्ता जियंद बलोच ने कहा,आठ बसों के काफिले में से

एक बस पूरी तरह नष्ट हो गई। धमाके के तत्काल बाद आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड के लड़ाकों ने एक और बस को घेरकर गोलीबारी की और सैनिकों को संभलने का मौका दिए बिना सभी को मार डाला। हमले में 90 जवानों की मौत हुई है। वहीं, सुरक्षाबलों के सूत्रों ने मीडिया को बताया,बसों के काफिले पर पहले बम से और फिर आत्मघाती हमलावरों की टोली के जरिये हमला किया गया। पीटीवी न्यूज ने सुरक्षाबलों के हवाले से लिखा, फिदायीन हमलावर के अलावा तीन अन्य आतंकी मार गिराए गए,जबकि आखिरी आतंकी के मारे जाने तक यह ऑपरेशन जारी रहेगा।

हमलावरों ने विस्फोटक लदी गाड़ी से बस में मारी टक्कर

नोशकी के थाना प्रभारी सुमलानी के अनुसार, घटनास्थल के मुआयने से लगता है कि आत्मघाती हमलावरों ने विस्फोटक लदी गाड़ी को बस से टकरा दिया। वहीं,एआरवाई न्यूज ने सुरक्षाबलों के हवाले से लिखा कि कोई आत्मघाती हमलावर विस्फोटक बांध कर सैनिकों से भरी बस से टकरा गया। घायल सैनिकों को एफसी के कैंप अस्पताल और नोशकी के टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एआरवाई न्यूज ने जानकारी दी कि हमलों को देखते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ संसद के दोनों सदनों का संयुक्त सत्र बुलाएंगे। बुधवार या बृहस्पतिवार को बंद कमरे में होने वाले इस सत्र में संसद के दोनों सदनों को विशेष सुरक्षा समिति में बदल दिया जाएगा।

पाकिस्तान में लश्कर के आतंकी अबू कताल के बाद बोले विशेषज्ञ-हाफिज सईद का भी यही हो सकता है हश्र

नई दिल्ली,17 मार्च 2025। पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी अबू कताल की हत्या के बाद,विदेशी मामलों के विशेषज्ञों का अनुमान है कि 26/11 के मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के साथ भी जल्द ही ऐसा हो सकता है। एएनआई से बात करते हुए रोबिंदर सचदेवा ने कहा कि अबू कताल की हत्या से संकेत मिलता है कि लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और अन्य आतंकवादियों पर नजर रखने वाले लोग करीब पहुंच रहे हैं।

सचदेवा ने कहा, हाफिज सईद का करीबी सहयोगी मारा गया, जिसका मतलब है कि जो लोग उन पर नज़र रख रहे हैं, वे काफी करीब पहुंच गए हैं। कहा जाता है कि जो तलवार से जीते हैं,वे तलवार से ही मरते हैं और हाफिज सईद को भी शायद यही हश्र झेलना पड़े। अबू क़ताल कश्मीर, राजौरी,पुंछ, पीओके में कई हमलों में शामिल था।

सचदेवा ने अनुमान लगाया कि सईद ने अपने भतीजे की हत्या के बाद अपनी सुरक्षा कड़ी कर दी होगी। उन्होंने कहा, हाफ़िज़ सईद का अगला कदम अपनी सुरक्षा बढ़ाना और पाकिस्तानी सेना से मदद मांगना हो सकता है, हालांकि वे पहले से ही उसे सुरक्षा दे रहे हैं...कोई नहीं कह सकता कि इस घटना के पीछे कौन है,लेकिन यह संभवतः भारत

को बदनाम करने के लिए पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से किया गया हो सकता है।

हमले में एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की खबरों पर टिप्पणी करते हुए मेजर जनरल ध्रुव सी कटोच (सेवानिवृत्त) ने सुझाव दिया कि यह खुद हाफिज सईद हो सकता है। कटोच ने एएनआई को बताया, दूसरे घायल व्यक्ति को पाकिस्तान के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है,और इसने चर्चा का विषय बना दिया है क्योंकि पाकिस्तान उस व्यक्ति की पहचान के बारे में बहुत चुप है,और कुछ उभरती हुई रिपोर्टों से पता चलता है कि यह हाफिज सईद है।

बलूचिस्तान में हमलों के बीच इस्लामाबाद की आतंकी नीतियों की आलोचना

पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों द्वारा हाल ही में किए गए हमलों ने देश के भीतर आतंकवाद को उजागर किया है और इसकी सेना की तैयारी की कमी को उजागर किया है, मेजर जनरल जीडी बख्शी (सेवानिवृत्त) ने रविवार को कहा। उन्होंने पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में लंबे समय से इस्तेमाल किए जाने की आलोचना करते हुए कहा, आतंकवाद को राज्य नीति का साधन बनाकर पाकिस्तान ने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है।

जाफर एक्सप्रेस अपहरण के ठीक एक सप्ताह बाद बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर (एफसी) के काफिले पर हुए हमले के बारे में एएनआई से बात करते हुए मेजर जनरल बख्शी ने कहा,अब तक वे आतंक का निर्यात कर रहे थे। आतंक के जिन गिद्धों को उन्होंने बाहरी लोगों के लिए पाला था, वे अब पाकिस्तान को ही नष्ट कर रहे हैं।

अमेरिका में ग्रीनकार्ड धारक के साथ दुर्व्यवहार,हवाई अड्डे पर नंगाकर की गई जांच,डिटेंशन सेंटर भेजा गया

नई दिल्ली, 17 मार्च 2025।

अमेरिका में एक वैध अमेरिकी ग्रीन कार्ड धारक के साथ आव्रजन अधिकारियों की ओर से दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स की जानकारी के मुताबबिक 34 वर्षीय जर्मन नागरिक फेबियन श्मिट

को 7 मार्च को मैसाचुसेट्स के लोगान हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। न्यूजवीक के अनुसार, श्मिट, जो अपनी किशोरावस्था से अमेरिका में रह रहे हैं और वर्तमान में न्यू हैम्पशायर में रहते हैं, लक्जमबर्ग की यात्रा से लौट रहे थे। उनके परिवार के अनुसार,श्मिट को गिरफ्तार किया गया, नंगा किया गया और सेंट्रल फॉल्स,रोड आइलैंड में डोनाल्ड डब्ल्यू. वायट डिटेंशन सेंटर भेजे जाने से पहले उनसे हिंसक पूछताछ की गई। उनके परिवार का दावा है कि उन्हें उनकी हिरासत के कारणों के बारे में पता नहीं है। उन्होंने बताया कि श्मिट के ग्रीन कार्ड का हाल ही में रिनिवल हुआ था और उनके खिलाफ कोई लंबित अदालती मामला भी नहीं है। श्मिट के पार्टनर उन्हें हवाई अड्डे पर लेने गए थे। उन्होंने चार घंटे तक श्मिट की प्रतीक्षा की और जब वे नहीं आए तो अधिकारियों से संपर्क किया।

ट्रंप ने वित्तपोषित समाचार एजेंसी वॉयस ऑफ अमेरिका को बंद करने का दिया आदेश,पक्षपाती होने का लगाया आरोप

वॉशिंगटन,17 मार्च 2025। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सरकार द्वारा वित्तपोषित समाचार एजेंसी वॉयस ऑफ अमेरिका को बंद करने का आदेश दिया है। ट्रंप ने समाचार एजेंसी पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया। व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि वॉयस ऑफ अमेरिका वर्षों से देश के साथ तालमेल बिठाने में विफल रहा। यह कट्टरपंथी अमेरिका का प्रतिनिधित्व करता है और विभाजनकारी प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रहा है।

अमेरिकी करदाताओं पर बोझ

ट्रंप ने शुक्रवार को सात सरकारी कार्यालयों को बंद करने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें वॉयस ऑफ अमेरिका और रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी की मूल कंपनी यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर ग्लोबल मीडिया भी शामिल है। ट्रंप प्रशासन के एक बयान के अनुसार, यह एजेंसी (वॉयस ऑफ अमेरिका) अमेरिकी करदाताओं पर बहुत बड़ा बोझ है। जिन अन्य सरकारी कार्यालयों को बंद किया गया है,उनमें फेडरल मीडिएशन एंड कॉन्सिलेशन सर्विस,यूएस एजेंसी फॉर ग्लोबल मीडिया,द वुडरो विल्सन इंटरनेशनल सेंटर फॉर स्कॉलर्स,द इंस्टीट्यूट ऑफ म्यूजियम एंड लाइब्रेरी सर्विस, यूएस इंटरएजेंसी काउंसिल ऑन होमलेसनेस, द कम्युनिटी डेवलेपमेंट फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस फंड और माइनॉरिटी बिजनेस डेवलपमेंट एजेंसी शामिल हैं।

अमेरिका की वैश्विक छवि को हो सकता है नुकसान

वॉयस ऑफ अमेरिका की शुरुआत साल 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी प्रोपेगेंडा का मुकाबला करने के लिए की गई थी। उस समय अमेरिका ने यूरोप में अपने प्रसारण शुरू किए थे,ताकि वहां के लोगों को निष्पक्ष और सटीक जानकारी दी जा सके। तब से लेकर अब तक, VOA दुनिया भर में लोकतंत्र और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। यह समाचार एजेंसी अमेरिका की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण माध्यम बना हुआ है। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय छवि पर असर पड़ सकता है।

यमन में संघर्ष ने पकड़ी नई दिशा,अमेरिका-ईरान तनाव के बीच हूती विद्रोहियों पर जोरदार हमला,53 की मौत

वाशिंगटन,17 मार्च 2025। यमन में अमेरिका और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच हाल ही में तनाव और बढ़ गया है। इसके बाद अमेरिका ने दुनिया के सबसे व्यस्त शिपिंग कॉरिडोर में से एक पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं, ताकि हूती विद्रोहियोंको सैन्य और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले करने से रोका जा सके। बता दें कि अमेरिकी हमलों में कम से कम 53 लोग मारे गए हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हमले में सना और सादा जैसे क्षेत्रों में भी लोग घायल हुए हैं,

जो हौथियों का मुख्य गढ़ हैं।

अमेरकी विदेष मंत्री का बयान

मामले में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह हमला तब तक जारी रहेगा जब तक हूती विद्रोहियों के पास ऐसा करने की क्षमता नहीं रह जाती। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी चेतावनी दी है कि अगर हौथी हमले बंद नहीं करते हैं, तो अमेरिका ÷जबरदस्त घातक बल÷ का उपयोग करेगा और ईरान को इसके लिए जिम्मेदार ठहराएगा।

गौरतलब है कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग को बार-बार निशाना बनाया है। साथ ही दो जहाजों को डुबो दिया है। हूती विद्रोहियों ने इसे फलस्तीन के साथ एकजुटता दिखाने के रूप में बताया है, जहां इस्राइल और हमास के बीच युद्ध चल रहा है।

अमेरिका का हूती के खिलाफ सबसे बड़ा हमला

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ यह सबसे बड़े हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस हमले में कई हौथी नेताओं को निशाना बनाया गया है। वहीं, हूती विद्रोहियों ने अमेरिका के हमलों का जवाब देने की धमकी दी है। साथ ही, उन्होंने अमेरिकी युद्धपोतों को निशाना बनाने का दावा भी किया है, हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने इसे खारिज कर दिया।

गुटेरेस ने की संयम बरतने की अपील

इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। साथ हीं यमन में मानवीय स्थिति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। याद रहे है कि यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि अमेरिका और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष और भी बढ़ सकता है, जो पहले से ही यमन में एक गंभीर मानवीय संकट पैदा कर चुका है।3

डोनेटस्क में बढ़ा तनाव, जेलेंस्की ने सशस्त्र बलों के स्टाफ प्रमुख को बदला; आन्द्रेई ह्नातोव को कमान

मुंबई,17 मार्च 2025। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को अपने सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ़ का नया प्रमुख नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने एंड्री ह्नाटोव को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, जो अब तक इस पद पर तैनात अनातोली बारहिलेविच की जगह लेंगे। जनरल स्टाफ़ ने इस बदलाव की घोषणा अपने टेलीग्राम चैनल के जरिए की। जेलेंस्की का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब देश इस समय रूस के कुर्सक क्षेत्र और डोनेट्स्क में बढ़ते सैन्य दबाव का सामना कर रहा है और अपनी सेना का पुनर्गठन करने की कोशिश कर रहा है।

इस फेरबदल पर यूक्रेन के रक्षा मंत्री की टिप्पणी

राष्ट्रपति जेलेंस्की के इस फैसले पर यूक्रेनी रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों को उनकी युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए व्यवस्थित रूप से बदला जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेनी सेना युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए लगातार खुद को मजबूत और प्रभावी बनाने की

दिशा में कदम उठा रही है।

बारहिलेविच को मिली ये जिम्मेदार

अब बात अगर हारहिलेविच की करें तो बारहिलेविच, जो अब तक जनरल स्टाफ़ के प्रमुख के रूप में काम कर रहे थे, अब यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के जनरल इंस्पेक्टर के रूप में कार्य करेंगे। उमरोव ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि बारहिलेविच अब भी सेना के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहेंगे और सैन्य मानकों की देखरेख करने के साथ-साथ सेना में अनुशासन को मजबूत करने में मदद करेंगे। हालांकि रोचक बात ये है कि ऑलेक्ज़ेंडर सिर्स्की जो पहले से यूक्रेनी सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ़ के रूप में कार्यरत हैं, अपनी भूमिका में बने रहेंगे और सेना के संचालन को देखेंगे।

गौरतलब है कि यूक्रेन में कर्मचारियों के इस बदलाव का सिलसिला तब हो रहा है जब रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल अगस्त में यूक्रेन की सेना ने रूस के खिलाफ एक सीमा पार हमला किया था और लगभग 1,300 वर्ग किमी (500 वर्ग मील) क्षेत्र पर नियंत्रण प्राप्त किया था। हालांकि, वर्तमान में यूक्रेनी सेना को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे यूक्रेन के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र खोने का खतरा पैदा हो गया है।

सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर 20 मार्च से 26 मार्च तक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत इस संस्था के लगभग 50 स्वयं सेवकों द्वारा 20 मार्च 2025 से 26 मार्च 2025 तक ग्राम पंचायत अमलभिट्ठी, सरगुजा में सात दिवसीय कैम्प का आयोजन किया जाना है। जिसमें विभिन्न प्रकार की सामाजिक गतिविधियों (स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जांच शिविर, इत्यादि जैसे सामाजिक कार्यों) का आयोजन किया जायेगा, जिससे कि गांव में सामाजिक जागरूकता एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार, जन-जन तक हो सके।

अतीत की गलतियां मान अब बलूचों के अधिकारों की अनदेखी बंद करें,अल्ताफ हुसैन ने सरकार को दिखाया आईना

इस्लामाबाद,17 मार्च 2025 । पाकिस्तान में बलूचिस्तान समेत कई और समस्याओं को लेकर मोहाजिरों के सबसे बड़े संगठन मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम-एल) के प्रमुख अल्ताफ हुसैन ने शहबाज सरकार को चेतावनी दी है। साथ ही सरकार से अपील की है कि वह अपने अतीत की गलतियों को स्वीकार करे और राष्ट्रीय मेलमिलाप की प्रक्रिया शुरू करे।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अपने भविष्य के लिए एक नया

सामाजिक अनुबंध तैयार करना चाहिए ताकि सब लोग एक साथ मिलकर देश की समस्याओं का समाधान कर सकें।

हुसैन ने की पाकिस्तान सरकार की आलोचना

इसके साथ ही हुसैन ने बलूचिस्तान समेत पाकिस्तान के अन्य समस्याओं का समाधान सैन्य ताकत और हिंसा के जरिये करने की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि बलूच लोगों को आतंकवादी के रूप में चित्रित करना गलत है और इससे समस्याओं का हल नहीं निकलेगा। बलोच नेताओं से वार्ता करने और उनके लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विभिन्न समुदायों को एक साथ लाने की बात

इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के विभिन्न समुदायों जैसे बलोच, पठान,सिंधी,पंजाबी, मोहाजिर,कश्मीरी और अन्य को एक साथ लाने की बात की। साथ ही कहा कि सरकार को संविधान की अखंडता को पुनः स्थापित करना चाहिए ताकि सभी समूहों को समान अधिकार मिल सकें। बलूच समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा और अत्याचारों की भी हुसैन ने निंदा की और सवाल उठाया कि कैसे इन अपराधों को न्यायोचित ठहराया जा सकता है।

जिले में संविदा पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी

» इच्छुक अभ्यर्थी 28 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत सरगुजा जिले में विभिन्न संविदा पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। यह भर्ती जिला पंचायत सरगुजा, अम्बिकापुर द्वारा एन.आर.एल.एम/2024-25 के अंतर्गत की जा रही है।

रिक्त पदों का विवरण

विकासखंड परियोजना प्रबंधकः02 पद (01-अनुसूचित जनजाति, 01-अनुसूचित जाति, क्षेत्रीय समन्वयकः-10 पद (02-अनारक्षित, 05-अनुसूचित जनजाति (01-महिला, 01-दिव्यांग), 01-अनुसूचित जाति, 02-अन्य पिछड़ा वर्ग, लेखा सह एम.आई.एस. सहायकः 06 पद (02-अनारक्षित, 03-अनुसूचित जनजाति (01-महिला) 01-अन्य पिछड़ा वर्ग।

आवेदन की अंतिम तिथि

इच्छुक अभ्यर्थी 28 मार्च 2025, शाम 05:00 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सरगुजा, अम्बिकापुर को प्रेषित करने होंगे। आवेदन पत्र बंद लिफाफे में भेजे जाने चाहिए, जिस पर पद का नाम स्पष्ट रूप से अंकित हो।

अधिक जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.surguja.nic.in,www.surguja.gov.in, और www.bihan.gov.in पर विजिट किया जा सकता है।

भर्ती प्रक्रिया छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना है। इच्छुक उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि और समय सीमा का ध्यान रखें।

CMYK

यह होली भाजपाईयों के लिए रही काफी खास

जमकर विधायक मंत्री ने होली का उठाया लुफ्त

इस बार की होली भाजपाईयों के लिए नगरी निकाय से लेकर जनपद पंचायत चुनाव के नतीजी के जश्न में तब्दील होती देखी

इस होली से पहले भाजपा को एमसीबी व कोरिया नगरी निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिहाज्य से भी काफी अच्छा रहा

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सभी निर्वाचित के साथ तो होली मनाई साथ ही अपने विधानसभा के हर होली कार्यक्रम में शामिल हुए

रंगों के त्यौहार का यदि सबसे अधिक कोई आनंद लिया तो छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री ने लिया

भरतपुर सोनहत विधायक भी रंगों के पर्व होली का भरपूर मजा लिया...अपने समर्थकों को सहित पार्टी के लोगों के साथ उन्होंने भी जमकर होली खेली

बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े इस बार भी बेटे के निधन के बाद होली ना मानने के फैसले को रखा अनवरत

कांग्रेसियों के लिए होली निराशा जनक रही तो भाजपायों ने इस होली को अपने लिए शुभ माना,फगुहारों की टोली ने किया फाग गीत का गायन...बाजार में दिखी रौनक

-संवाददाता-
कोरिया/एमसीबी,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।
2025 की होली भाजपा के लिए काफी अच्छी रही,इस साल होली कि यदि बात की जाए तो इस होली में भाजपा कांग्रेसियों से ज्यादा खुश दिखे और इस होली का मजा उन्होंने हर तरीके से लिया,चंद्र ग्रहण का भी फर्क इस होली में क्षेत्र में नहीं दिखा लोगों ने जमकर इस पर्व का लुफ्त उठाया और एक दूसरे को रंग लगाते देखे गए,यह होली राजनीतिक मामले में भी काफी चर्चा में रही,जहां सोशल मीडिया पर भाजपा की होली ही सिर्फ देखी गई तो वहीं कांग्रेसी ऐसा लगा कि इस होली से वह मायूस दिखे, कहा जाए तो होली से पहले आए चुनावी परिणामों ने कांग्रेसियों को मायूस कर दिया तो वहीं भाजपाइयों के लिए आए चुनावी परिणामों ने होली की खुशियों को दुगना कर दिया,यह होली एमसीबी जिले से लेकर कोरिया जिले तक पूरी तरह से भाजपामय दिखा,जहां क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने निज निवास पर होली का भव्य कार्यक्रम रखा जहां सभी भाजपाई से लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि वहां पर पहुंचे और जमकर होली खेली गई, यहां तक के भरतपुर सोनहत विधायक भी उस होली कार्यक्रम में शामिल हुई,सबसे अधिक होली का कोई लुफ्त लिया तो वह श्याम बिहारी जायसवाल ही माने जा रहे हैं जहां वह रायपुर से होली खेलते हैं और अपने विधानसभा क्षेत्र में भी उन्होंने तीन दिन तक जमकर होली खेली जहां उनका खुद का कार्यक्रम आयोजित था उसके अलावा जितने कार्यक्रम होली के आयोजित किए गए थे होली के सभी कार्यक्रम में उन्होंने पहुंचा और सभी के साथ होली खेलने का प्रयास किया,यही वजह थी कि उन्होंने तीन दिनों के होली कार्यक्रम को पूरी तरीके से अपने क्षेत्र की जनता के साथ पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी के साथ खेलना जरूरी समझा,होली की खुशियां उन्होंने उन्हीं के साथ बाटी और उनके खुशियों में भी उन्होंने शामिल होकर एक मिलनसार व अच्छे नेता होने का परिचय भी दिया मंत्री के सभी होली कार्यक्रम में शामिल होने से लोग भी काफी खुश देखे गए।

भरतपुर सोनहत विधायक भी होली के कार्यक्रमों में की शिरकत

भरतपुर सोनहत वर्तमान विधायक रेणुका सिंह ने भी होली के कार्यक्रमों में शिरकत की और होली के पर्व को सभी के साथ मनाया,आयोजित होली कार्यक्रम में उन्होंने सभी जगह पहुचने का प्रयास किया और सभी के साथ उन्होंने होली खेली,जनप्रतिनिधियों के लिए यह होली रंगों के त्योहार के साथ-साथ लोगों के दिलों में में एक जगह बनाने का प्रयास था ताकि लोगों से भी जुड़ा जा सके,होली के दौरान रेणुका सिंह भी गुलाल व रंगों से पूरी तरह से रंगी हुई दिखाई दीं।

होली गीतों की गूंज

शुभ मुहूर्त में होलिका दहन होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को रंग गुलाल लगाकर जहां पर्व की शुभकामनाएं दी वहीं होलिका दहन के साथ ही होली का हुडदंग शूरू हो गया। होली के गीत 'होली खेले रघुवीरा अवध में, होली खेले रघुवीरा,हिल मिल आवे लोग लुगाई,भई मलहन में बीरा अवध में होली खेले रघुवीरा गूंजने लगे।

बच्चों ने एक दिन पहले शुरू की होली

होली के पर्व को लेकर बच्चे इतने ज्यादा उत्साहित है कि उन्हें सुबह साम होली खेलने की चिंता सताने लगी है जिसे लेकर घरो में रोना धोना करते नजर आ रहे थे आखिर कई जगह बच्चों ने होली दहन से पूर्व होली खेलना शुरू कर दिये थे। बच्चों की मस्ती होली को और मजेदार बना रही है।

रंग पंचमी का पर्व शुरू

झहोलिका दहन के बाद रंग पंचमी का पर्व शुरू हो गया है। पांच दिनों तक चलने वाले रंग पंचमी महोत्सव में प्रेम और भाई-चारा दिखेगा। बुजुर्गों का कहना है कि होली ऐसा पर्व है जब सभी पुराने बाद-विवादों को छोड़कर लोग गले मिलते हैं और यह पर्व भाईचारे को कायम करते हुए विवाद का विनाषक पर्व भी माना गया है।

शांति समिति की बैठक

जिले के सभी थाने व पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शांति समिति की बैठक हुई जिसमें थाना प्रभारी ने बैठक में उपस्थित सभी लोगों से आपसी भाई चारे एवं सौहार्द्र के साथ मनाए जाने को लेकर अपने विचार प्रकट किए, जिसमें होली के पर्व को लेकर चंदा वसूली नहीं करने और किसी प्रकार के जहरीले एवं रासायनिक केमिकलों को प्रयोग नहीं करने की बात कही गई।

शांतिपूर्ण रहा होली

इस होली में छुटपुट घटना देखने को मिली, लगभग इस होली में बड़ी घटनाएं कोई भी देखने को नहीं मिली,लोगों ने ग्रहण के बाद भी घर से बाहर निकल कर जमकर होली खेली और विवादों से दूर रहे वहीं शांतिपूर्ण तरीके से होली संपन्न हो जिसके लिए प्रशासन भी अलर्ट रहा इसी वजह से क्षेत्र में होली शांति पूर्ण संपन्न हुआ।

होली के दुसरे हुई बड़ी घटना दो मोटरसाइकिल में हुई भिड़ंत तीन की मौत

होली की दूसरे दिन 15 मार्च देर शाम सोनहत क्षेत्र में मोटर साइकिल की टक्कर से तीन युवाओं के असामयिक मृत्यु की दुखद खबर मिली है। तीनों मृतक सोनहत क्षेत्र के बताए जा रहे हैं 1 व्यक्ति सोनहत क्षेत्र के मधला ग्राम का और दो कछार गांव के थे दोनों में घर आ रहे थे इस बीच कटघोड़ी के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई, एक मोटरसाइकिल में दो लोग सवार थे और एक मोटरसाइकिल में एक लोग तीनों की मृत्यु दुर्घटना में हो गई, मृतकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए व परिवार जनो के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं भाजपा के कोरिया जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने अत्यंत हृदय विदारक घटना के कारण 16 मार्च 2025 (रविवार) को मानस भवन बैकुंठपुर में आयोजित होली मिलन समारोह रद्द कर दिया।

पत्रकार संघ का होली मिलन समारोह

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।
पत्रकार संघ सूरजपुर के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन रंगारंग कार्यक्रम के रूप में होली मिलन व फाग गीतों के साथ गुलाल लगाकर आयोजित किया गया। इस दौरान कलेक्टर एस जयवर्धन,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर,पूर्व सांसद खेलसाय सिंह, पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े,रेडक्रास के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल,नपा अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, उपाध्यक्ष शैलेष गोयल सहित जनप्रतिनिधियों व गणमान्यजनों की उपस्थिति में पत्रकारों का होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। स्थानीय मीडिया हाऊस में आयोजित होली मिलन समारोह में सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी और होली का जमकर लुत्फ उठाते हुए फाग गीतों पर नृत्य कर पत्रकार जमकर नाचे और उत्साह में सराबोर रहे। रंग सद्भाव और स्नेह के संदेश को लेकर आयोजित होली मिलन समारोह में उमंग और उत्साह के साथ होली मिलन समारोह व संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अवध में होली खेले रघुवीरा और रंग बरसे भीगे चुनर वाली जैसे गीतों पर पत्रकार जमकर झूमते दिखे। कार्यक्रम के दौरान नरेश राजवाड़े,थलेश्वर साहू,रामकृष्ण ओझा,संजय डोसी,मंजूलता गोयल,प्रमोद तायल, सुरेन्द्र राजवाड़े,प्रवेश गोयल,प्यारे साहू,राजेश साहू, संतोष सोनी सहित आला अधिकारियों में एडिशनल एसपी संतोष महतो,पीआरओ प्रदीप कंवर,टीआई विमलेश दुबे,यातायात प्रभारी

संगीत संध्या का हुआ आयोजन

होली मिलन में फाग गीतों व गुलाल से हुआ मीडिया हाउस सराबोर

बृजकिशोर पाण्डेय के साथ पत्रकारों में नरेंद्र जैन, ओंकार पांडे,सुनील अग्रवाल,सुशील सिंह, संतोष सोनी, नितेश गुप्ता,नौशाद खान,इमाम हसन, जिम्मी खान,आमिर खान,समरोज खान,जानी खान, अंकित सोनी,विष्णु कसेरा,दिलशाद अहमद, राकेश जायसवाल, सुभाष गुप्ता, नीरज साहू, रामजी साहू, अफजल खान,आकाश कसेरा,आशीष साहू, नदीम खान,संस्कार अग्रवाल,विजय साहू, सूरज साहू उपस्थित थे। जमकर उड़े रंग और गुलाल के बीच लजीज व्यंजनों के साथ होली मिलन समारोह व संगीत संध्या का आयोजन संपन्न हुआ।

क्या बैकुंठपुर की जीवनदायिनी गेज नदी में

बह रहा ज़हर...

इस नदी के पानी से 20 वार्डों के लोग हो सकते है प्रभावित?

क्या प्रशासन इस मुद्दे पर गंभीर होगा?

एनजीटी के नियमों की खुलेआम अवहेलना, प्रशासन मौन

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (नजीटी) के सख्त नियमों के बावजूद नगर प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा नियम के अनुसार

नियमःकिसी भी जलस्रोत में बिना शुद्धिकरण के गंदा पानी नहीं छोड़ा जा सकता

नियमः मेडिकल और जैविक कचरे के निपटान के लिए विशेष व्यवस्था होनी चाहिए

नियमःनदी में प्लास्टिक, गंदगी और हानिकारक अपशिष्ट फेंकना गैरकानूनी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस पानी में खतरनाक बैक्टीरिया और वायरस पनप रहे हैं,जिससे बैकुंठपुर के हजारों लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। खासकर बच्चों,बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। लेकिन नगर पालिका एनजीटी के नियमों की खुलेआम अवहेलना कर धज्जियां उड़ा रही है। नगर पालिका परिषद में नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने इस गंभीर समस्या पर कलेक्टर एवं नगर प्रशासन को पत्र लिखकर तत्काल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने एवं नदी में गंदगी डालने पर रोक लगाने की मांग की है। अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कहाःहर साल करोड़ों रुपए सफाई और जल आपूर्ति पर खर्च किए जाते हैं, फिर भी स्थायी समाधान नहीं निकाला जाता। नगरवासियों की जिंदगी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैकुंठपुर की धरोहर को बचाने की जरूरत कोरिया जिले की एकमात्र जीवनदायिनी गेज नदी का अस्तित्व खतरे में है। अगर इसे बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए,तो आने वाली पीढ़ी इस नदी को केवल तस्वीरों में देखेगी।

क्या नगरवासियों को खुद सड़कों पर उतरकर अपनी जीवनदायिनी नदी को बचाने की लड़ाई लड़नी होगी?

धार्मिक आस्था को ठेस,आचमन योग्य जल अब ज़हरीला

गेज नदी न केवल नगरवासियों के लिए जल स्रोत है, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का भी केंद्र रही है। मरनी-भागवत हो, सावन की पूजा, ग्राम देवताओं की आराधना, छठ महापर्व, गणेश विसर्जन जैसे धार्मिक अनुष्ठानों के लिए इस नदी का जल पवित्र माना जाता था।लेकिन अब इसी जल में मल-मूत्र, मेडिकल कचरा और अन्य गंदगी बह रही है। धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालु आचमन तक नहीं कर पा रहे। यह संस्कृति और आस्था पर गहरी चोट है। दूषित जल से फैल रही बीमारियां,बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित नदी का यह प्रदूषित जल अब लोगों की सेहत पर सीधा असर डाल रहा है। टाइफाइड, डायरिया,पीलिया,पेट संक्रमण और त्वचा रोग तेजी से फैल रहे हैं।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,17 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

जिले की एकमात्र प्रमुख गेज नदी,जो कभी नगरवासियों के लिए जीवनदायिनी थी,अब मौत का संदेश लेकर बह रही है। नगर प्रशासन की घोर लापरवाही और उदासीनता के कारण शहर का गंदा पानी,शौचालयों का मल-मूत्र,मेडिकल वेस्ट और कचरा नदी में सीधे प्रवाहित किया जा रहा है। अगर अब भी कदम नहीं उठाए गए,तो आने वाले समय में गेज नदी पूरी तरह प्रदूषित होकर एक मृत जलधारा में बदल जाएगी, जिसका खामियाजा पूरे नगरवासियों को भुगतना पड़ेगा। नगर पालिका परिषद नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने पूर्व में भी कई बार इस गंभीर मुद्दे को लेकर प्रशासन को पत्राचार किया, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि पिछली बार नदी का जलस्तर इतना गिर गया था कि पानी पूरी तरह सूख गया,जिससे नगरवासियों को पीने तक का पानी नहीं मिला। शहरवासियों के पास स्वच्छ जल का कोई दूसरा स्रोत नहीं नगर पालिका क्षेत्र के 20 वार्डों के लगभग 20,000 लोग और आसपास के हजारों ग्रामीण दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। समस्या यह है कि नगर प्रशासन ने गेज नदी के अलावा शहरवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कोई ठोस समाधान तक नहीं निकाला। पिछली बार जब नदी सूख गई थी,तब नगरवासियों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ा। सरकारी नलकूपों और टंकियों की भी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। गर्मी के दिनों में यह समस्या और विकराल हो जाती है,जिससे नगरवासी प्रशासन की अनदेखी का खामियाजा भुगतने को मजबूर हैं। शौचालय का गंदा पानी सीधे नदी में,हजारों कुंटल मल-मूत्र बह रहा शहर के घरेलू और सार्वजनिक शौचालयों का गंदा पानी सीधे नालियों में छोड़ा जा रहा है, और फिर ये नालियां बिना किसी ट्रीटमेंट के नदी में मिल रही हैं। नतीजतन, हर दिन हजारों कुंटल मल-मूत्र और गंदगी गेज नदी में समा रही है। नगर पालिका की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का अभाव, कचरा प्रबंधन की असफलता और जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी ने नदी को गंदे पानी का भंडार बना दिया है। मेडिकल वेस्ट,मांस के टुकड़े और कचरे से नदी बनी बीमारियों की जड़ नगर का कचरा एकत्र करने वाला एसएलआरएम सेंटर नदी के किनारे ही कूड़ा फेंक रहा है। यह कचरा हवा और पानी के प्रवाह से नदी में मिल जाता है, जिससे नदी पूरी तरह दूषित हो चुकी है। इस गंदगी में मेडिकल वेस्ट,पट्टियां,इंजेक्शन,मलहम,खून से सने कपड़े,मांस के लोथड़े और अन्य जहरीले अपशिष्ट शामिल हैं,जिसे आवारा कुत्ते और अन्य जानवर नदी किनारे फैला देते हैं। इस अस्वच्छ और खतरनाक पानी को नगरवासी मजबूरी में इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे गंभीर बीमारियां फैल रही हैं।

महकेपी गांव में किया गया सम्मान समारोह का आयोजन

-संवाददाता-
कुसमी,17 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी जनपद पंचायत क्षेत्र के महकेपी भवानीपुर ग्राम में 16 मार्च 2025 को जनपद सदस्य नमीता बड़ा के द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष हिरामुनी निंकुज विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष बंसती भगत एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अशोक सोनी का गांव के लोगो ने बाजे गाजे के साथ फुलमाला पहनाकर लड्डुओं से तोलकर अतिथियों का जोरदार स्वागत किया।वही सभा को सम्बोधित करते हुये जिला पंचायत अध्यक्ष हिरामुनी निंकुज ने लोगो को बताया कि जिले में करीब 55 हजार प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी गई है आप सभी अपने-अपने घर का निर्माण तेजी गति से करते हुए गुणवत्ता का ध्यान देवें।वही जनपद अध्यक्ष ने सबको बधाई दी। तो वही जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अशोक सोनी ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं गांव के लोगो के द्वारा किये गये स्वागत का अभार जताते हुये सभी लोगो को होली पर्व की बधाई देते हुये भाजपा कार्यकत्ताओं से अपील किया कि सभी कार्यकत्ता ग्रामीणों के हित में कार्य करे ताकि क्षेत्र का विकास हो सके।इस कार्यक्रम में सत्यनारायण गुप्ता, भोला यादव, संतोष, उमाकांत, कृष्णमुरारी सोनी,सींजे प्रजापति, विकास मंडल,देवसाय सहित काफी संख्या में कार्यकत्ता एवं गांव के लोग शामिल हुये।

नवनिर्वाचित सरपंचों का उन्मुखीकरण सह परिचयात्मक प्रशिक्षण का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती कमलेश नन्दनी साहू के मार्गदर्शन एवं उपसंचालक पंचायत श्री ऋषभ सिंह चंदेल के निर्देशन में जिला पंचायत संसाधन केन्द्र सूरजपुर में नवनिर्वाचित सरपंचों का उन्मुखीकरण परिचयात्मक प्रशिक्षण 17 से 30 मार्च तक जिले में आयोजित किया जाना है। प्रथम दिवस में सूरजपुर के सरपंचों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें राज्य के निर्देशानुसार निर्वाचित सरपंचों को उनके अधिकार,कर्तव्य,पंचायत के योजना की सामान्य जानकारी प्रदाय करना,ई-ग्राम पोर्टल में सरपंचों की मूलभूत जानकारी अद्यतन करना, जेम पोर्टल में सरपंचों का पंजीयन हेतु शासकीय ई-मेल आईडी हेतु जानकारी एकत्र करना,सरपंचों का डीएसी बनाए जाने हेतु बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन संपन्न कराना एवं सरपंचों को ऑनलाइन भुगतान के बारे में जानकारी प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र संकाय सदस्य श्री निरोज सिंह के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में श्री रामकृपाल दुबे, श्रीमती हिरण कुजूर,श्री आकाश कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया पौधारोपण

-संवाददाता-
कोरबा,17 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कलेक्ट्रेट परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बादाम के पौधे लगाए। उन्होंने जलवायु परिवर्तन एवं तापमान मे बढ़ोत्तरी को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण और धरती को हरा भरा बनाने सभी को अपने आसपास पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। महामहिम श्री रमेन डेका ने कहा की पेड़ हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं, यह न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वस्थ परिवेश भी प्रदान करते हैं। उन्होंने इस अभियान को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए सभी नागरिकों को इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने को प्रेरित किया। इस अवसर पर कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में राज्यपाल द्वारा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। यह अभियान राज्यभर में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अभ्यर्थियों से लिए गए नाम निर्देशन आवेदन पत्र के साथ निक्षेप राशि के सम्बन्ध में निराकरण हेतु किया जा रहा है कैम्प का आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत सूरजपुर अंतर्गत विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचन के संबंध में नाम निर्देशन आवेदन पत्र 27 जनवरी से 03 फरवरी तक निर्धारित शुल्क अनुसार निक्षेप राशि जमा करते हुए अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन आवेदन पत्र प्राप्त किया गया। जिसके संबंध में प्राप्त निक्षेप राशि का निराकरण (प्रतिभूति राशि जब्त/वापसी) की कार्यवाही हेतु विशेष कैंप 17 मार्च 2025 से स्थान कार्यालय जिला पंचायत सूरजपुर (लेखा शाखा) में आयोजन किया जा रहा है। नाम निर्देशन पत्र आवेदन लिये गये अभ्यर्थियों के निक्षेप राशि जमा/वापसी के संबंध में निर्धारित प्रारूप में नियमानुसार आवेदन के साथ रसीद की मूल प्रति संलग्न करते हुए निक्षेप राशि प्राप्त करने हेतु आवेदन कर सकते हैं।

आत्मानंद महाविद्यालय में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए छात्र-छात्राओं को किया गया पुरुष्कृत

-संवाददाता-
कोरबा,17 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय कोरबा ने अपने छात्र-छात्राओं के उत्कृष्ट उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती शिखा शर्मा, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुरेश कुमार रात्रे, प्राचार्य विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. डेजी कुजूर के द्वारा की गयी। समारोह का आयोजन छात्र संघ प्रभारी एवं कार्यक्रम समन्वयक सुश्री दिव्या पटेल सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी एवं सुश्री पूजा सिंह सहायक प्राध्यापक के द्वारा किया गया। समारोह का प्रारंभ दीप प्रज्वलन कर छत्तीसगढ़ राजकीय गीत के साथ किया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0.../अ-20(3)/2024-2025
::-ईश्तहार::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती गुंजन सिंह पत्नी स्व0 माधवेन्द्र सिंह निवासी बाबूपारा जेल रोड अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-9 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3533/29 रकबा 0.01 एकड़ भूमि को अनावेदिका/क्रेता धीरज कुमार शुक्ला आ0 शिव किशोर शुक्ला उम्र 43 वर्ष निवासी शास्त्री वार्ड मायापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूखण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28/03/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार
रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुपमा रोष तिर्की पिता बी0 तिर्की जाति उरांव निवासी पटपरिया तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 262/1 रकबा 0.018 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 26/03/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0...../ब-121 /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्यमेव सिंह आ0 शिवजी सिंह निवासी रिंग रोड चोपड़ापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा शीट नम्बर 01 चोपड़ापारा नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/27, 9/169 रकबा 0.10 एकड़ एवं 5910.72 वर्गफीट में पैट्रोल पंप स्थापना हेतु प्रस्तावित नक्शानुसार व्यवसायिक भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र भवन निर्माण शाखा में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28/03/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202503020700079

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015 (2002/3(0.0320हे0)

पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-देवनाथ,
अनावेदक पक्षकार-मुर्री,

ईश्तहार

आवेदक देवनाथ आ0 स्व0 भुरीराम व अन्य निवासी केदारपुर तहसील अम्बिकापुर जिला, सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2002/3 रकबा 0.032 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से स्व0 भुरीराम का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07/04/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/03/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

कबड्डी विश्व कप 2025 की हुई धमाकेदार शुरुआत

भारतीय पुरुष टीम का पूरा शेड्यूल

इंग्लैंड,17 मार्च 2025। कबड्डी भारत के फेमस खेलों में से एक है। प्राचीन समय से ही भारतवासी इस खेल को खेलते आ रहे हैं। भारत के साथ-साथ आज ये खेल पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। भारत ने अब तक चार एशियन गेम्स में हिस्सा लिया और सभी में गोल्ड मेडल जीता। भारत का खेल में दबदबा देखने को मिलता है। अब कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत आज 17 मार्च से इंग्लैंड में शुरू हो चुकी है। कबड्डी विश्व कप का आयोजन इंग्लैंड में चार स्थानों पर किया जाएगा। इस बार पुरुष कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 में भारत सहित कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें पांच-पांच के दो ग्रूप में बांटा गया है। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम को ग्रूप-ए में रखा गया है। इस ग्रूप में भारत के अलावा

इटली, स्कॉटलैंड, वेल्स, हांगकांग की टीमें शामिल हैं। हर ग्रूप से टॉप-4 टीमें क्वार्टरफाइनल में जगह बनाएंगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे।

पुरुष कबड्डी विश्व कप 2025 के लिए ग्रूप

ग्रूप एः हंगरी, इंग्लैंड, पोलैंड, जर्मनी, यूएसए
ग्रूप बीः भारत, इटली, स्कॉटलैंड, वेल्स, हांगकांग चीन

कबड्डी विश्व कप 2025 के लिए भारतीय पुरुष टीम का शेड्यूलः

भारत बनाम इटली- 17 मार्च
भारत बनाम स्कॉटलैंड- 18 मार्च
भारत बनाम हांगकांग चीन- 19 मार्च
भारत बनाम वेल्स- 20 मार्च

महिला कबड्डी विश्व कप में 6 टीमें लेंगी भाग

इंग्लैंड में ही महिला कबड्डी विश्व कप की शुरुआत होगी, जिसमें कुल मिलाकर 6 टीमें हिस्सा लेंगी। महिला कबड्डी टीमों को भी तीन-तीन के दो ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रूप से दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसमें भारत को ग्रूप डी में जगह मिली है। इसमें भारत के अलावा वेल्स और पोलैंड की टीमें शामिल हैं।

महिला कबड्डी विश्व कप 2025 के लिए ग्रूपः

ग्रूप डीः- भारत, वेल्स, पोलैंड
ग्रूप ईः- हांगकांग चीन, हंगरी, इंग्लैंड

पिछली बार भारत ने जीता था खिताब

कबड्डी वर्ल्ड कप का ये दूसरा सीजन है। इसे वर्ल्ड कबड्डी द्वारा आयोजित किया जाता है। इससे पहले इसे साल 2019 में आयोजित किया गया था। तब भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में इराक को 57-27 से हराकर खिताब जीता था। वहीं भारतीय महिला टीम ने ताइवान को 47-29 से शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा किया था। इस बार भी दोनों टीमों की निगाहें खिताब जीतने पर होंगी। इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन भी एक अलग टूर्नामेंट की मेजबानी करता है, जिसे भी कबड्डी विश्व कप कहा जाता है।

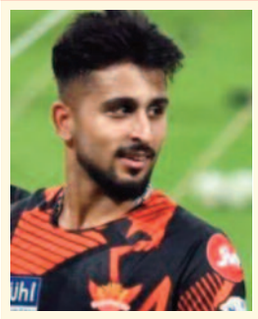

चोटिल उमरान मलिक की जगह चेतन सकारिया हुए केकेआर में शामिल

नई दिल्ली,17 मार्च 2025। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने चोटिल तेज गेंदबाज उमरान मलिक की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज़ चेतन सकारिया को आईपीएल 2025 के लिए अपने दल में शामिल किया है।

धोनी ने 6 साल बाद मान ली अपनी गलती, बोले-नो बॉल विवाद पर मैदान में नहीं घुसना चाहिए था

नई दिल्ली,17 मार्च 2025। कोलकाता नाइट राइडर्स चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में एक ऐसे पल का खुलासा किया, जिसका उन्हें सबसे ज़्यादा अफ़सोस है। धोनी ने 6 साल बाद अपनी उस गलती को माना है जब उन्होंने अपना आपा खो दिया था। धोनी ने बताया कि 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स मैच के दौरान मैदान पर वॉकआउट करना उनके आईपीएल करियर की सबसे बड़ी गलती थी। ये घटना मैच के अंतिम ओवर में हुई, जब बेन स्टोक्स ने धीमी गति की गेंद फेंकने की कोशिश की और गेंद उनके हाथ से फिसल गई और कमर तक ऊंची फुल टॉस हो गई। स्ट्रेट अंपायर ने इसे नो-बॉल करार दे दिया, लेकिन स्क्वायर लेग अंपायर ने इस फ़ैसले को खारिज कर दिया। इससे धोनी भड़क गए और उन्होंने मैदान में घुसकर अंपायर से बहस की।

दिल्ली कैपिटल्स का बड़ा ऐलान

अचानक फॉफ डु प्लेसिस को सौंपी उपकप्तानी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली,17 मार्च 2025। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च हो रही है और दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलेगी। आईपीएल शुरू होने से पहले ही दिल्ली की टीम ने अक्षर पटेल को कप्तान बनाया था। अब दिल्ली ने बड़ा फैसला लेते हुए फॉफ डु प्लेसिस को उप कप्तान बनाने का ऐलान किया है। डु प्लेसिस के पास अनुभव है, जो दिल्ली के काम आ सकता है।

दिल्ली कैपिटल्स ने जारी किया वीडियो

दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह कहते हैं कि मैं ठीक हूं और अपने घर हूं। यह सच है कि मैं दिल्ली कैपिटल्स

का वाइस कैप्टन हूं। दिल्ली के प्लेयर्स अच्छे हैं और मैं बहुत खुश हूं।

आरसीबी के लिए कर चुके हैं कप्तानी

फॉफ डु प्लेसिस आईपीएल में कप्तानी भी कर चुके हैं। उन्होंने आरसीबी की टीम के लिए तीन सीजन कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी। उनकी कप्तानी में आरसीबी ने 42 मैच खेले थे। तब टीम ने 21 में जीत दर्ज की थी और 21 मैच हारे थे। वह साउथ अफ्रीकी टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

आईपीएल में बना चुके 4000 से ज्यादा रन

फॉफ डु प्लेसिस साल 2012 से ही आईपीएल में खेल रहे हैं और चेन्नई सुपर किंग्स, आरसीबी, राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने अभी तक आईपीएल के 145 मैचों में कुल 4571 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 37 अर्धशतक निकले हैं। आईपीएल में 96 रन उनका हाईएस्ट स्कोर रहा है।

दिल्ली कैपिटल्स ने एक बार भी नहीं जीता है खिताब

दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने अभी तक एक बार भी आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। टीम ने आईपीएल 2020 के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन तब उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी।

62 साल की उम्र में डेब्यू करके बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

एंड्रयू ब्राउनली का ऐतिहासिक कारनामा

नई दिल्ली,17 मार्च 2025। क्रिकेट में आम तौर पर खिलाड़ी 40 साल की उम्र तक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लेते हैं। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी अपने 24 साल लंबे करियर पर विराम 39 साल की उम्र में लगा दिया था। दूसरी तरफ 43 साल की उम्र में ही महेंद्र सिंह धोनी भले ही आईपीएल में खेल रहे हों, लेकिन इंटरनेशनल क्रिकेट से वह भी पांच साल पहले संन्यास ले चुके हैं। सोचिए अगर कोई खिलाड़ी 62 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करे तो। जी हां, फॉकलैंड आईलैंड्स की तरफ से खेलते हुए एंड्रयू ब्राउनली ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 62 साल की उम्र में डेब्यू किया है। इसी के साथ वह इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए और उन्होंने अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उनसे पहले इतनी उम्र में किसी भी खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया था।

एंड्रयू बाउलनी ने किया कमाल

कोस्टा रिका और फॉकलैंड आईलैंड्स के बीच मार्च 2025 में टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला गया था, जिसमें कोस्टा रिका की टीम ने 66 रनों से जीत दर्ज की थी। इस मैच में फॉकलैंड आईलैंड्स के एंड्रयू बाउलनी ने टी 20आई में अपना पहला मैच खेला। इसी के साथ वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी सबसे ज्यादा उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले टी 20आई क्रिकेट में सबसे ज्यादा उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड उस्मान गोकर के नाम था। उन्होंने तुर्की के लिए टी 20आई क्रिकेट में 59 साल 181 दिन की उम्र में 2019 में डेब्यू किया था। अब एंड्रयू बाउलनी ने 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

सिर्फ 28 रनों पर ही ऑलआउट हुई फॉकलैंड आईलैंड्स की टीम

फॉकलैंड आईलैंड्स के खिलाफ कोस्टा रिका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 94 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा 16 रन दीपक रावत ने बनाए। फिर जब फॉकलैंड आईलैंड्स की बैटिंग आई, तो उनके बल्लेबाजों ने बहुत ही खराब प्रदर्शन किया। फॉकलैंड आईलैंड्स के बल्लेबाज रन बनाना तो दूर क्रीज पर टिकने के लिए तरसते रहे। फॉकलैंड के लिए सिर्फ फिलिप स्ट्राउड ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए और उन्होंने भी 13 रन ही बनाए। फॉकलैंड आईलैंड्स की पूरी टीम सिर्फ 28 रन पर ही सिमट गई और पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई। इस तरह से कोस्टा रिका ने आसानी से मैच जीत लिया।
इस मैच में कोस्टा रिका के लिए शाम मुरारी और दीपक रावत ने चार-चार विकेट हासिल किए। इन गेंदबाजों ने फॉकलैंड आईलैंड्स के बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया और छोटे स्कोर पर समेट दिया। सचिन रविकुमार के खाते में एक विकेट गया।

कौन है आईपीएल 2025 का सबसे महंगा कप्तान

इस टीम ने इतने कम पैसे वाले को सौंपी कमान

नई दिल्ली,17 मार्च 2025। आईपीएल 2025 का रोमांच इसी सप्ताह के आखिर में शुरू हो जाएगा। इस बीच सभी टीमों ने अपने अपने कप्तान का भी ऐलान कर दिया। बाकी टीमों के कप्तान तो पहले से ही तय हो चुके थे, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स का इंतजार किया जा रहा था। अब ऐलान किया जा चुका है कि अक्षर पटेल टीम की कमान संभालेंगे। अब आपको ये भी जानना चाहिए कि इस साल जो दस खिलाड़ी अपनी अपनी टीम की कप्तानी करने वाले हैं, उसमें सबसे महंगा कप्तान कौन है। साथ ही किस टीम ने सबसे कम पैसे वाले को कमान सौंप दी है।

ऋषभ पंत इस साल के सबसे महंगे कप्तान

इस साल के आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की कमान ऋषभ पंत को सौंपी गई है। आपको याद ही होगा कि जब नीलामी हो रही थी, तब टीम ने पंत पर 27 करोड़ की बोली लगा दी थी और सबसे बड़ी बोली लगातार उन्हें अपने पाले में करने में कामयाबी हासिल की थी। वे इस साल आईपीएल के सबसे महंगे कप्तान होने वाले हैं। इतना ही नहीं, वे अब आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी हो चुके हैं। इससे ज्यादा बोली आज तक आईपीएल में किसी भी खिलाड़ी के लिए नहीं लगी है।

श्रेयस अय्यर पर भी पंजाब किंग्स ने लगाई है मोटी बाजी

ऋषभ पंत के अलावा आईपीएल मेगा ऑक्शन में श्रेयस अय्यर की भी खूब डिमांड रही। उनके लिए भी नीलामी के दिन

काफी गहमा गहमी रही। उन्हें पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये खर्च कर अपनी टीम में शामिल किया था। यानी वे आईपीएल 2025 के दूसरे सबसे महंगे कप्तान हैं। पैट कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। उन्हें इतने ही पैसे इस बार मिलेंगे। यानी वे आईपीएल 2025 के तीसरे सबसे महंगे कप्तान हैं।

पैट कमिंस, रुतुराज गायकवाड और संजू सैमसन की बराबर सैलरी

वैसे पैट कमिंस अकेले ऐसे कप्तान नहीं हैं, जिन्हें 18 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स भी अपने कप्तान रुतुराज गायकवाड को इतने ही करोड़ रुपये देगी, उन्हें भी टीम ने रिटेन किया हुआ है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को उनकी टीम 18 करोड़ रुपये में रिटेन कर चुकी है। दिल्ली कैपिटल्स ने हाल ही में अपने कप्तान की घोषणा की है, अक्षर पटेल को टीम की कमान सौंपी गई है। उन्हें टीम ने 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। गुजरात टाइटंस ने शुभमन गिल को भी इतने ही पैसों में रिटेन किया है, वे इस बार भी टीम की कप्तान करते हुए नजर आएंगे।

अजिंक्य रहाणे को मिलेंगे केवल 1.5 करोड़ रुपये

मुंबई इंडियंस अपने कप्तान हार्दिक पांड्या पर 16.35 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। वहीं आरसीबी यानी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 11 करोड़ रुपये के रजत पाटीदार को अपना कप्तान बनाने का फैसला किया है। बात अगर सबसे सस्ते कप्तान की करें तो अजिंक्य रहाणे पर टीम ने इस बाद दांव खेला है। हालांकि वे काफी कम दाम में टीम को मिल गए थे। केकेआर यानी कोलकाता नाइट राइडर्स ने केवल 1.5 करोड़ रुपये पाने वाले रहाणे को टीम की कमान सौंपी है।

पति के लिए हर हद से गुजरी थी एक्ट्रेस,तलाक के बाद एक-एक कर मिटा रही प्यार की हर निशानी

साउथ सिनेमा में सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य के प्यार की मिसाल दी जाती थी और दोनों को लोग काफी पसंद करते थे। लंबी डेटिंग के बाद दोनों ने शादी की, लेकिन ये सफल नहीं रही और सात जन्मों के लिए जुड़ा उनका ये रिश्ता टूट कर बिखर गया। सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य भले ही एक दूसरे से अलग हो गए हों, लेकिन उन्हें लेकर चर्चा अभी होती रहती हैं। शादी के करीब 4 साल बाद 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। वहीं पिछले साल नागा चैतन्य ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस सोभिता धुलिपाला से शादी कर अपनी जिंदगी नए सिरे से शुरू की। नागा चैतन्य के इस फैसले के बाद अब ऐसा लग रहा है कि सामंथा अपने एक्स हसबैंड से जुड़ी सारी यादें मिटा देना चाहती हैं।

एक्ट्रेस ने पकड़ी बदलाव की राह

सामन्था ने पहले ही अपनी सफेद वेडिंग गाउन को काले रंग की ऑफ-शोल्डर ड्रेस में बदल दिया था और अपनी शादी की अंगूठी को पेंडेंट में बदल दिया था। लोगों ने उनके वेडिंग एक्ट्रेस के इस वेडिंग गाउन ट्रांसफॉर्मेशन को रिवेंज गाउन बताया था। अब ऐसा लग रहा है कि एक्ट्रेस नागा से जुड़ी हर चीज से दूर रहना चाहती हैं। एक्ट्रेस औ गाना दोनों ने अपने हाथ पर एक जैसे टैटू बनवाए थे। अब एक्ट्रेस ने इसे मिटाने का फैसला कर लिया है। दरअसल दोनों ने शादी के दौरान एक साथ ये टैटू बनवाए थे। रविवार यानी 16 मार्च को सामंथा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी अपकमिंग फिल्म की कुछ झलकियां शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कलाई पर बने टैटू ने लोगों का ध्यान खींचा है, एक्ट्रेस की कलाई पर दो एरो टैटू नजर आ रहे हैं, जो काफी हद तक मिट चुके हैं। यह नागा चैतन्य के साथ उनके प्यार की निशानीथी।

इस टैटू पर नागा ने की थी बात

सालों पहले दोनों ने अपने-अपने हाथों पर सेम डिजाइन का टैटू बनवाया था, लेकिन अब समंथा ने इसे हटाने की ठान ली है। कुछ दिनों पहले एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें नागा इसी टैटू के बारे में बात कर रहे थे और उन्होंने टैटू बनवाने को सिली बताया था। उन्होंने अपनी कलाई में बने टैटू का हवाला दिया था। साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इसे हटाना चाहते हैं तो उन्होंने जवाब दिया था कि नहीं वो इस नहीं हटाना चाहते। ये वीडियो काफी वायरल हुआ था। अब सामंथा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने अनुमान लगाया कि एक्ट्रेस ने इसे हटाने का फैसला किया है। सामंथा की लेटेस्ट पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक फैन ने लिखा, अच्छा है, अपने पार्टनर के नाम का टैटू कभी मत बनवाओ, दोस्तों। आप कभी नहीं जानते कि रिश्ता कब खत्म हो जाएगा और टैटू हटाना दर्दनाक होता है। एक अन्य यूजर ने लिखा, यह उनके लिए अच्छा है। एक अन्य यूजर ने लिखा, उम्मीद है कि आप शानदार शुरुआत करेंगी। सामंथा और नागा चैतन्य ने 2017 में शादी की थी। शादी से पहले दोनों ने अपने दाहिने हाथ पर एक ही डिजाइन का टैटू बनवाया था, इस टैटू का मतलब था, अपनी खुद की वास्तविकता बनाएं। इस टैटू में चैतन्य ने अपनी शादी की तारीख भी जोड़ी थी, वहीं एक्ट्रेस ने वाईएमसी लिखवाया था, जहां दोनों की पहली मुलाकात हुई थी।

चकरघिन्नी की तरह घुमा देगी ये क्राइम थ्रिलर

दो कत्ल के बाद कातिल की तलाश में उलझेगा दिमाग

इन दिनों एक के बाद एक फिल्में और सीरीज ओटीटी पर रिलीज हो रही हैं। बीते दिनों में देखा गया है कि ओटीटी की दुनिया में क्राइम, थ्रिलर, सस्पेंस, मर्डर मिस्ट्री जैसे जॉनर की फिल्मों में लोगों की रुचि अचानक ही काफी बढ़ गई है। लोगों के दिमाग को हिलाने वाली इन फिल्मों को देखने के लिए दर्शक उत्सुक रहते हैं। अगर आप भी क्राइम थ्रिलर फिल्मो के दीवाने हैं तो हम आपके लिए एक ऐसी फिल्म लेकर आए जिसे आप चाहकर भी मिस नहीं करना चाहेंगे। क्राइम और थ्रिल से भरपूर इस फिल्म को देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। फिल्म की कहानी इतनी तगड़ी है कि अंत तक सस्पेंस बना रहता है और मर्डर मिस्ट्री की गुत्थी सुलझ नहीं पाती है। क्लाइमैक्स तक पहुंचने से पहले ही फिल्म कई धांसू ट्विस्ट दिखा देती है जो अंत तक बांधे रखते हैं।

फिल्म में हैं कमाल के एक्टर्स

आज जिस फिल्म की बात कर रहे हैं यह मिस्ट्री-थ्रिलर 7 साल पहले रिलीज हुई थी। जहां पुलिस डबल मर्डर का एनकाउंटर करती है। आखिर तक पता नहीं चलता कि असली कातिल कौन है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के पहले मिनट से ही सस्पेंस शुरू हो जाता है। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि 2017 में रिलीज हुई इत्तेफाक है। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, सोनाक्षी सिन्हा और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म में अक्षय खन्ना ने पुलिस वाले की भूमिका निभाई है। अक्षय फिल्म में जांच-पड़ताल करते नजर आते हैं। शक के घेरे में वो सोनाक्षी सिन्हा और सिद्धार्थ मल्होत्रा को रखते हैं। कई राउंड की पूछताछ के बाद भी वो हत्यारे की तलाश नहीं कर पाते। कहानी बिना एक मिनट बर्बाद किए शुरू होती है जो अंत तक बिना बोर किए बांधे रखती है।

ऐसा था सितारों का किरदार

इत्तेफाक में सिद्धार्थ मल्होत्रा विक्रम सेठी का किरदार निभा रहे हैं, जो पेशे से मशहूर लेखक हैं। वहीं सोनाक्षी सिन्हा हाउसवाइफ माया सिन्हा की भूमिका में हैं। फिल्म की पूरी कहानी इन दोनों किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, इसमें जबरदस्त सस्पेंस है। अगर आप मिस्ट्री थ्रिलर के दीवाने हैं तो आप इस फिल्म को मिस नहीं कर सकते। अगर आपने एक बार इसे देखना शुरू किया तो इसे पूरा देखे बिना आपका कहीं जाने का मन नहीं करेगा। इस मर्डर थ्रिलर को इस तरह से शूट किया गया है कि आगे की कहानी आप चाहकर भी गेस नहीं कर पाएंगे। हर नए मोड़ के साथ फिल्म आपको चौंकाएगी। फिलहाल ये फिल्म ओटीटी पर मौजूद है और आप भी पॉपकॉर्न के साथ इसका मजा ले सकते हैं। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

एक बार फिर दुश्मनों को तोड़ने आए सुनील शेट्टी

जैकी श्रॉफ से करेंगे दो-दो हाथ, हंटर 2 का टीजर जारी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी एक्शन थ्रिलर सीरीज हंटर के दूसरे सीजन के साथ अपनी वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। हाल ही में अभिनेता ने शूटिंग की एक झलक साझा की, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। वहीं अब, निर्माताओं ने भी सीरीज के दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया है।हंटर सीरीज को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, अब फैंस हंटर 2 के लिए तैयार हैं। ऐसे में ओटीटी चैनल के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा के सीजन 2 की भी घोषणा की। इस आकर्षक प्रमोशनल वीडियो में सुनील शेट्टी को एक दमदार अवतार में दिखाया गया है, जिसमें जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में हैं।वीडियो साझा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सीरीज का टीजर वीडियो साझा करते हुए लिखा, हंटर वापस आ गया है...याद है ना, यह टूटेगा नहीं, तोड़ेगा। हंटर सीजन 2, जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर आ रहा है।

CMYK

उप मुख्यमंत्री साव को विधायक राघवेंद्र सिंह के साथ नेता प्रतिपक्ष ने प्रश्नकाल में घेरा

रायपुर,17 मार्च 2025(ए)। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान आज लोक निर्माण विभाग के कार्यों को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव को विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के साथ नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने घेरा। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने लोक निर्माण विभाग संभाग बिलासपुर द्वारा वार्षिक मरम्मत विद्युतीकरण पर व्यय राशि का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भवन और स्थानों की जानकारी मांगी थी, लेकिन सिर्फ सेक्शन की जानकारी दी गई है। कितने एग्रीमेंटेड ओर कितने गैर एग्रीमेंटेड उद्योग कराए गए है?

इस पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि 2016-से 2024 की अवधि में 9156 स्थानों के कार्य कराए गए है। दो-तीन कार्यों का बिल ठेकेदार एक ही बार में ले लेता है, इसलिए इसकी इंट्री माप पुस्तिका में होती है। उन्होंने बताया कि कुल इस अवधि में 596 अनुबंधित और 16705 गैर अनुबंधित कार्यों के लिए 32 करोड़ 3 लाख का भुगतान किया गया है।

विधायक राघवेंद्र सिंह ने सवाल किया कि क्या जब भुगतान करते है तो क्या स्थान का नाम उल्लेखित करना अनिवार्य है कि नहीं। इस पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि देयक के स्थान का उल्लेख नहीं होता माप पुस्तिका में होता है। इस पर विधायक ने सवाल किया कि आप के ही डिपार्टमेंट से एक नोटिस इशू किया जाता है कि अगर भवनों ओर स्थानों का नाम नहीं दिया जाता तो सभी देयकों को फर्जी माना जाएगा। किन-किन भवनों में क्या-क्या काम संचालित हुआ है, इसकी जानकारी दी जाए। लगभग 100 करोड़ का मामला है. एक भी जानकारी प्रदान नहीं की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि अगर किसी सब डिवीजन के बारे में कंप्लेंट है, तो जानकारी दे दें। उस पर जांच कराई जाएगी. इस पर विधायक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि कितनी शिकायतें आई है। उस पर क्या एक्शन लिया गया है। वह सवाल भी हटा दिया गया है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने सवाल किया कि आपने 100 करोड़ का भुगतान कैसे कर दिया। फिर आप लोगों के गाइड लाइन ही क्यों जारी की है। इसकी क्या जरूरत पड़ गई? इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि शासकीय राशि का दुरुपयोग ना हो, इसके लिए अधिकारी समय-समय पर जानकारी देते रहते है। आपके नॉलेज के अगर कोई ऐसी कम्पलेंट है, तो आप उपलब्ध कराए कार्यवाही निश्चित ही की जाएगी।

इस पर अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह ने कहा कि इस प्रश्न का उत्तर लंबा है। डेढ़ हजार पन्नों का उत्तर प्रश्न काल में पूरा नहीं दिया जा सकता, इसलिए इससे कम से कम शब्दों में जवाब देने को कोशिश करें,ताकि उत्तर समय से आ जाए। इस पर विधायक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि मैने जो प्रश्न पूछा उसका जवाब ही नहीं आया। मैने स्थान की बात की है, लेकिन सेक्शन की जानकारी दे दी जा रही है। भाजपा विधायक धरम लाल कौशिक ने कहा कि भवन बना ही नहीं होगा पिछले सरकार के कार्यकाल में ऐसा ही हुआ है। इस पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि 1500 पृष्ठों की जानकारी है, और भी जानकारी चाहिए तो उपलब्ध करा देंगे।

शराब प्रेमियों के लिए अच्छी खबर...छत्तीसगढ़ में खुलेंगी 67 नई शराब दुकानें

विधानसभा में भारतमाला परियोजना की ईओडब्ल्यू से जांच का मुद्दा गरमाया, नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ विधानसभा में सोमवार को शून्यकाल के दौरान भारतमाला परियोजना में गड़बड़ी की जांच का मामला गरमाया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि ईओडब्ल्यू(आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) से जांच कराने की बात सदन में ही कि जाती तो ज्यादा अच्छा रहता. इस पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजस्व मंत्री को सदन में वक्तव्य देने के निर्देश दिए।नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि जब उन्होंने इस परियोजना को लेकर पहले भी सवाल उठाया था, तब सरकार ने संभागीय आयुक्त से जांच कराने की बात कही थी, लेकिन बाद में कैबिनेट ने सीधे ईओडब्ल्यू जांच का निर्णय ले लिया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह ने कहा कि अगर सदन में कोई मामला चल रहा था तो कोई निर्णय लेने से पहले सदन को सूचना देनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को इस मामले में सदन में वक्तव्य देने के निर्देश दिए।

धर्मांतरण और विदेशी फंडिंग पर गरमाई बहस,जल्द बनेगा सख्त कानून

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में धर्मांतरण और विदेशी फंडिंग का मुद्दा जोरशोर से उठा। विधायक अजय चंद्राकर ने सदन में विदेशी फंडिंग से हो रहे धर्मांतरण पर सवाल खड़े किए, जिस पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने जवाब देते हुए कहा कि राज्य में 153 संस्थाओं को विदेशी फंडिंग मिल रही है।धर्मांतरण पर सख्त रुख अपनाते हुए विधायक चंद्राकर ने विदेशी फंडिंग पर रोक लगाने के लिए ठोस व्यवस्था की मांग की। इस पर गृह मंत्री ने सदन में आश्वासन दिया कि जल्द ही इस विषय पर एक कड़ा कानून लाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में लागू होगा मीसाबंदी कानून, भविष्य में कोई सरकार नहीं बदल सकेगी फैसला

छत्तीसगढ़ में जल्द ही मीसाबंदी कानून लागू किया जाएगा। राज्य की विष्णुदेव साय सरकार ने इसके लिए छत्तीसगढ़ लोकतंत्र सेनानी सम्मान विधेयक तैयार कर लिया है, जिसे पहले ही कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे विधानसभा में पेश कर कानून का रूप दिया जाएगा। इस कानून के तहत मीसाबंदियों को मिलने वाली सुविधाओं को समायोजित किया जाएगा। सबसे अहम बात यह है कि एक बार कानून बनने के बाद भविष्य में कोई भी सरकार इसे बदल नहीं सकेगी।

विधानसभा में जल जीवन मिशन के मुद्दे को लेकर हंगामा... भाजपा-कांग्रेस में तीखी नोकझोंक

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में आज सोमवार को जल जीवन मिशन का मुद्दा जोर-शोर से उठा। प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सरकार से 2025 तक केंद्रांश के रूप में प्राप्त राशि का ब्योरा मांगा। इस पर भाजपा विधायकों ने कम राशि मिलने का ठीकरा पूर्ववर्ती सरकार पर फोड़ा, तो महंत ने पलटवार करते हुए कहा, कब तक पिछली सरकार का नाम लेकर बचते रहेंगे।

सड़क निर्माण में देरी पर घिरी सरकार

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सड़क निर्माण, मरम्मत कार्यों और सरकारी खर्चों को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा। अभनपुर-पांडुका सड़क निर्माण की देरी पर राजिम विधायक रोहित साहू ने सवाल उठाया, जिस पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने सफाई दी। उन्होंने बताया कि यह सड़क 2023 में पूरी होनी थी, लेकिन मुआवजा भुगतान और यूटिलिटी शिफ्टिंग में देरी के कारण काम अटका हुआ है। डिप्टी सीएम ने कहा कि निर्माण कार्य में देरी के लिए जिम्मेदार ठेकेदार की भुगतान राशि रोकी गई है। यदि किसी स्तर पर कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान विधायक अजय चंद्राकर ने भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए।

मंत्रिमंडल विस्तार और निगम-आयोग नियुक्तियों पर करना होगा इंतजार

दिल्ली रवाना होने से पहले बोले सीएम साय

रायपुर,17 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार और निगम-आयोगों में नियुक्तियों को लेकर अभी इंतजार करना होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए, जहां वे पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। रवाना होने से पहले सीएम साय ने कहा, आज और कल दिल्ली में कई कार्यक्रमों में भाग लूंगा। मंत्रिमंडल विस्तार और निगम-आयोगों में नियुक्तियों पर जल्द निर्णय लिया जाएगा, थोड़ा इंतजार करें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. देवेंद्र प्रधान के निधन पर सीएम साय ने जताया शोक

रायपुर,17 मार्च 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. देवेंद्र प्रधान के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. देवेंद्र प्रधान जी के निधन से देश ने एक प्रखर जननेता, कुशल संगठनकर्ता और संवेदनशील जनप्रतिनिधि को खो दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी ने अपने शोक संदेश में कहा कि डॉ. देवेंद्र प्रधान जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन और लोकहित के प्रति समर्पित रहा। वे श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में प्रभावी कार्य करते हुए देश के विकास में योगदान देने वाले कर्मठ राजनेता थे।

किशोरी के कातिल को दुर्ग कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

दुर्ग,17 मार्च 2025(ए)। शीतला तालाब सुपेला में जवारा विसर्जन के दौरान एक नाबालिग बालिका की हत्या के मामले में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी की कोर्ट ने आरोपी को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी महेश ने एक तरफा प्रेम प्रसंग के चलते चाकू मार कर बालिका की हत्या कर दी थी।

महत्वपूर्ण खबर

सिपाही ने एसआई को मारी गोली,हुई मौत

रायपुर,17 मार्च 2025(ए)। राजधानी रायपुर के खरोरा क्षेत्र के मुड़पार स्थित आईटीबीपी कैंप में एक सिपाही ने सब-इंस्पेक्टर (एसआई) को गोली मार दी, जिससे एसआई की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने से कैंप में अफरा-तफरी मच गई और पूरा परिसर थम सा गया। घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह गोलीबारी सोमवार सुबह हुई, जब दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। घटना के बाद, कैंप में तैनात अन्य सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मदद की कोशिश की, लेकिन एसआई की जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और इस गोलीबारी के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

किसान के बेटे संग आत्महत्या मामले में तहसीलदार निलंबित

रायपुर,17 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के सुहेला तहसील में एक किसान ने अपने बेटे के साथ कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। इस गंभीर मामले में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सुहेला तहसीलदार कुणाल सेवईया को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में आज महानदी भवन मंत्रालय से आदेश जारी किया गया, जिसके तहत निलंबित तहसीलदार को बस्तर मुख्यालय अटैच किया गया है।

जून से शुरू होगी प्रीपेड मीटर की सुविधा

रायपुर,17 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में जून से प्रीपेड स्मार्ट मीटर सिस्टम लागू होने जा रहा है, जिसके तहत उपभोक्ताओं को मोबाइल की तरह बिजली के लिए एडवांस रिचार्ज कराना होगा। यदि बैलेंस खत्म हुआ तो बिजली अपने आप कट जाएगी। फिलहाल प्रदेश में 11 लाख घरों में स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, और साल के अंत तक सभी घरों में इसकी स्थापना पूरी कर दी जाएगी। केंद्र सरकार के रिवेम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत ये मीटर लगाए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर लगाने के मामले में छत्तीसगढ़ देश में तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। बता दें केंद्र की इस योजना के तहत कृषि उपभोक्ताओं को छोड़कर सभी उपभोक्ताओं के यहां प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

इस स्मार्ट मीटर में क्या होगा खास?

जानकारी के मुताबिक, बिजली की मैनुअल रीडिंग की जरूरत नहीं होगी, अधिकारी स्टेशन से ही बिजली खपत की निगरानी कर सकेंगे। उपभोक्ताओं को रिचार्ज खत्म होने से पहले अलर्ट मैसेज मिलेगा, जिससे वे समय पर रिचार्ज कर सकें। यह सुविधा कृषि उपभोक्ताओं को छोड़कर सभी पर लागू होगी।

रिचार्ज खत्म होते ही कट जाएगी बिजली

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के मुताबिक प्रदेश में वर्तमान में 59 लाख बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें से लगभग 5 लाख 50 हजार उपभोक्ता कृषि कनेक्शन वाले हैं। इन्हें केंद्र की इस सरकार की योजना से बाहर रखा गया है। उपभोक्ता को एडवांस में रिचार्ज कराना होगा। इस मीटर के सक्रिय हो जाने के बाद उपभोक्ता रिचार्ज खत्म होते ही बिजली अपने आप कट जाएगी। रिचार्ज खत्म होने से पहले ही उपभोक्ताओं के फोन पर बैलेंस रिचार्ज का मैसेज आ जाएगा।

एकलव्य विद्यालय अधीक्षक निलंबित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,17 मार्च 2025(ए)। एकलव्य आदर्श विद्यालय लाटा में 9वीं कक्षा के छात्र शिवम सिंह की असामयिक मौत के मामले ने चौंकाने वाला मोड़ ले लिया है। जांच में पाया गया कि विद्यालय के अधीक्षक रामबिलास की घोर लापरवाही के चलते यह दुखद घटना हुई। सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग के प्रतिवेदन के आधार पर अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि शिवम की तबीयत तीन दिन पहले से ही खराब थी और उसे खून की कमी की शिकायत थी। इसके बावजूद अधीक्षक ने समय पर इलाज की व्यवस्था नहीं की ।

बिजली विभाग के स्टोर में लगी भीषण आग

लाखों के नुकसान की आशंका, फायर ब्रिगेड ने 5 घंटे में पाया काबू

रायगढ़,17 मार्च 2025(ए)। जिला मुख्यालय स्थित कोतरा रोड में छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल के स्टोर रूम में सोमवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। कोतरा रोड स्थित इस स्टोर में लगी आग इतनी तेजी से फैली कि धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से देखा गया। हालात बिगड़ते देख आसपास की कॉलोनियों के लोग अपने घर छोड़कर बाहर निकलने को मजबूर हो गए।

ट्रांसफार्मर और तारों में लगी आग,दम घुटने से मची अफरा-तफरी

चूंकि विद्युत विभाग के स्टोर रूम में रखे ट्रांसफार्मर, तार में आग के साथ-साथ धुंआ इतना तेजी से फैला कि लोगों का दम घुटने लगा। इस आग की जानकारी विद्युत विभाग के अधिकारियों को जैसे ही मिली, उन्होंने नगर निगम की फायर बिग्रेड सहित अन्य फायर बिग्रेड को मौके पर बुलाने की सहायता मांगी। एक दर्जन से भी अधिक फायर बिग्रेड की टीम ने 5 से अधिक घंटों के बाद इस आग पर काबू पाया, तब तक 20 से 25 लाख का नुकसान विभाग को हो चुका था।

गरियाबंद के फूलझर गांव में एक महीने में 8 मौतें,दहशत में ग्रामीण

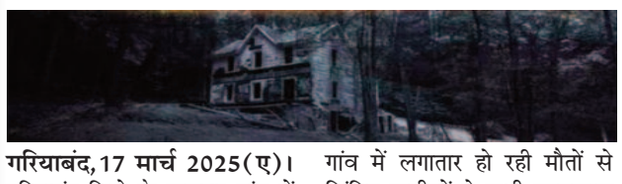

गरियाबंद,17 मार्च 2025(ए)। गरियाबंद जिले के फूलझर गांव में पिछले एक महीने के भीतर 8 ग्रामीणों की अचानक मौत होने से गांव में दहशत का माहौल है। लगातार हो रही इन रहस्यमयी मौतों के कारण ग्रामीण इतने भयभीत हैं कि उन्होंने इस बार होली पर्व भी नहीं मनाया। न तो गांव में होलिका दहन हुआ और न ही रंग-गुलाल उड़ा। मौतों के सिलसिले ने गांव के लोगों में डर और चिंता बढ़ा दी है। गांव में लगातार हो रही मौतों से चिंतित ग्रामीणों ने सभी कामकाज बंद कर दिए और पूरे विधि-विधान के साथ ग्राम देवालय में विशेष पूजा-अर्चना की। ग्रामीणों ने एकजुट होकर गांव के प्रमुख चौक-चौराहों पर शोभायात्रा निकाली और विभिन्न मंदिरों में जाकर पूजा-पाठ किया।

पूजा-अर्चना के दौरान गांव की महिलाएं पीली साड़ी पहनकर सिर पर मंगल कलश लिए नजर आई।

बिलासपुर में एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

अपने देश से नाबालिग लड़की को किडनैप कर लाया,फिर जबरन की शादी

बिलासपुर,17 मार्च 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित सभा को लेकर पुलिस की ओर से चलाए गए विशेष अभियान में बांगलादेशी युवक को गिरफ्तार किया गया है। वह बांग्लादेश से ही एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर बिलासपुर ले आया था। यहां उससे विवाह कर साथ में रखा था। नाबालिग को सीडब्लूसी के संरक्षण में रखा गया है। आरोपित युवक के खिलाफ पॉक्सो और अन्य धाराओं में कार्रवाई की गई है। मामले की जानकारी गृह मंत्रालय को भी दी जा रही है। इसके पहले रायपुर तीन बांग्लादेशी गिरफ्तार हुए थे, जो रायपुर में रह रहे थे। यहां से वे सीरिया भागने की फिराक में थे।

19 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

10 इनामी नक्सलियों पर था 29 लाख का इनाम...

बीजापुर,17 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षाबलों को एक और बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। सरकार की पुनर्वास नीति और नियद नेल्लानार योजना के सकारात्मक प्रभाव से प्रेरित होकर 19 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। खास बात यह है कि आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों में 10 ऐसे थे, जिन पर कुल 29 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

साल 2025 में अब तक कुल 84 नक्सलियों ने हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। इसके अलावा, इस साल 137 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 56 माओवादियों को सुरक्षाबलों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराया है।

बजरंग दल ने किया धर्मांतरण का विरोध

दुर्ग,17 मार्च 2025(ए)। जिला मुख्यालय दुर्ग में धर्मांतरण कराने का मामला सामने आया है। यहां करहीडीह बस्ती में रहने वाले एक ठाकुर परिवार के यहां प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। इसकी जानकारी लगते ही बजरंग दल के लोगों ने घर को घेर लिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। जेवरा सिरसा चौकी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मचाया कहर,तीन मासूम जिंदगियां छिनीं

धमतरी,17 मार्च 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में बीती रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ, जब एनएच-30 पर दरबा गांव के पास एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे टहल रहे लोगों को रौंद दिया। इस भयावह घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि स्कॉर्पियो चालक की लापरवाही का शिकार बनी गाड़ी नाले में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)